दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....
लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।
सम्पादक : राजेश शर्मा
बलरामपुर
बुधवार, 04 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 123 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया
दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस: भारत में 300 ...8

पीएम मोदी का एनडीए सांसदों को संदेश!

दुनिया का झुकाव अब भारत की ओर, हमारे धैर्य ने दिलाई ऐतिहासिक ट्रेड डील

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापारिक समझौते ने न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था, बल्कि भारतीय संसद के गलियारों में भी नई ऊर्जा भर दी है। मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते की सफलता का श्रेय श्धैर्यश (च्ंजपमदबम) को दिया और विपक्ष द्वारा पूर्व में की गई आलोचनाओं का जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को छव। सांसदों से कहा कि अमेरिका के साथ भारत का ऐतिहासिक ट्रेड एग्रीमेंट लगातार सब्र का नतीजा है, और बताया कि टैरिफ बातचीत पर पहले हुई आलोचना अब एक पॉजिटिव नतीजे में बदल गई है। छव। संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस डील से एक अच्छा आर्थिक माहौल बना है और ग्लोबल ट्रेड बातचीत के प्रति सरकार के स्थिर नजरिए को दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्लोगों ने टैरिफ की आलोचना की, लेकिन हमने सब्र रखा, और अब नतीजे दिख रहे हैं।ष उन्होंने आगे कहा, ष्दुनिया का सिस्टम बदल रहा है, और इसका रास्ता तेजी से भारत की ओर झुक रहा है। मैं यह बात कई ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर कहता रहा हूं, और आज हम देख रहे हैं कि कई देशों में ट्रेड टेंशन के बीच भी भारत को फायदा हो रहा है।ष पीएम मोदी ने सांसदों से संसद में पूरी हाजिरी सुनिश्चित करने और चर्चाओं में एक्टिव रूप से हिस्सा लेने का भी आग्रह किया, और सरकार के काम को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पार्टी नेताओं से नागरिकों तक पहुंचने और केंद्रीय बजट में बताई गई मुख्य उपलब्धियों को उजागर करने के लिए कहा।

लोकसभा में भारी हंगामा, कागज उछालने पर कांग्रेस के 7 समेत 8 सांसद पूरे बजट सत्र से निलंबित

नई दिल्ली। सदन की कुर्सी पर कागज फेंकने के आरोप में आठ लोकसभा सांसदों को पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। निलंबित सांसदों में मणिकम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, किरण कुमार रेड्डी, एस वेंकटेशन, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस और प्रशांत पाडोले शामिल हैं। इनमें से सात सांसद कांग्रेस पार्टी से हैं, जबकि वेंकटेशन सीपीएम से हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर जारी चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण का उल्लेख करने का प्रयास करने के मुद्दे पर बैठक तीन बार स्थगित होने के बाद अपराह्न तीन बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आसन की अवज्ञा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदीप सिंह औजला,हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मणिकम टैगोर तथा माकपा सांसद एस वेंकटेशन के नाम लिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आठों सदस्यों का नाम लेते हुए सदन में प्रस्ताव रखा कि सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (2) के तहत संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए। सदन ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिसके बाद बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

पीएम मोदी की नीतियों से झुकीं महाशक्तियां

यूपी फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम करने और भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में मान्यता देने के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम करने और भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में मान्यता देने के लिए हम प्रधानमंत्री मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प के आभारी हैं।

यूपी फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश ने पिछड़े राज्य की अपनी छवि को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य राजस्व अधिशेष वाली अर्थव्यवस्था में बदल गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने अपना पहला निवेश शिखर सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें 20,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ। हमें कई सुधार लागू करने पड़े और महत्वपूर्ण बदलाव लाने पड़े, और आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि हमारे पास भूमि बैंक सुविधा भी है। उत्तर प्रदेश अब पिछड़ा राज्य नहीं है यह अब राजस्व अधिशेष वाला राज्य है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राज्य के चिकित्सा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के संभावित योगदान का पता लगाने के लिए 2 करोड़ रुपये की राशि की घोषणा की। उन्होंने जोर दिया कि इस निवेश का उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके पूरे उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा और निदान को बेहतर बनाना है। मुख्यमंत्री योगी ने आगे कहा कि मैं माननीय प्रधानमंत्री का आभारी हूं। दिल्ली में एक एआई सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है, और हमने उत्तर प्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र में एआई के संभावित योगदान का पता लगाने के लिए 2 करोड़ रुपये की राशि की घोषणा की थी।

उन्होंने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाली चिकित्सा और दवा कंपनियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज मैं उन सभी चिकित्सा कंपनियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिनके साथ हमने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। उत्तर प्रदेश पर भरोसा जताने के लिए मैं उन सभी का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। आज जब भारत अपनी नीतियों पर दृढ़ है, तब तो महाशक्तियों को भी इसके सामने झुकना पड़ा है और भारत अब एक आत्मनिर्भर राष्ट्र है।

मणिपुर में बीजेपी का बड़ा दांव

अब युमनाम खेमचंद सिंह होंगे नए मुख्यमंत्री

इंफाल। युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया है और वे मणिपुर के नए मुख्यमंत्री होंगे। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की समाप्ति से कुछ दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा विधायकों की बैठक हुई। इस बैठक के बाद राज्य में एनडीए के सहयोगी दलों की भी बैठक हुई। मणिपुर में पिछले साल 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था और बाद में संसद ने पिछले साल अगस्त में इसे छह महीने के लिए और बढ़ा दिया था। मणिपुर में कुकी-जो और मैतेई जातीय समूहों के बीच जातीय तनाव के बाद कई महीनों तक रुक-रुक कर हुई हिंसा के चलते एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिसंबर में मणिपुर में जातीय हिंसा की जांच कर रहे जांच आयोग को एक और समय सीमा देते हुए उसे निर्देश दिया कि वह अपनी रिपोर्ट ष्जितनी जल्दी हो सके, लेकिन 20 मई, 2026 से पहलेष प्रस्तुत करे। आयोग को 3 मई, 2023 को मणिपुर में भड़की जातीय हिंसा की जांच करने, इसके कारणों की पड़ताल करने और अधिकारियों की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने का कार्य सौंपा गया है। युमनाम खेमचंद सिंह भारत के मणिपुर राज्य से भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं। वे 2017 और 2022 में सिंगजामेई निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में मणिपुर विधानसभा चुनाव में निर्वाचित हुए हैं। वे मणिपुर विधानसभा के अध्यक्ष (2017-2022) भी रह चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट की व्हाट्सएप और मेटा को सीधी चेतावनी, संविधान मानें या भारत छोड़ दें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप और मेटा की डेटा साझाकरण प्रथाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। यह सुनवाई भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (ब्ब्) के उस आदेश के विरुद्ध दायर अपीलों के एक समूह की सुनवाई के दौरान हुई, जिसमें व्हाट्सएप की 2021 की स्वीकार करो या छोड़ दो। 4 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (छब्स्।ज) ने ब्ब् के जुर्माने को बरकरार रखा, लेकिन नियामक द्वारा लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध को पलटते हुए विज्ञापन उद्देश्यों के लिए डेटा साझाकरण की आंशिक अनुमति दी। इसके बाद, 15 दिसंबर, 2025 को एक स्पष्टीकरण जारी किया गया जिसमें अनिवार्य किया गया कि विज्ञापन से संबंधित डेटा साझाकरण जारी रह सकता है, लेकिन सभी प्रकार के डेटा साझाकरण, चाहे वह विज्ञापन से संबंधित हो या गैर-विज्ञापन से, उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट ऑप्ट-आउट अधिकार प्रदान करना आवश्यक है। पीठ ने ऑप्ट-आउट तंत्रों की प्रभावशीलता पर भी चिंता व्यक्त की, यह देखते हुए कि तमिलनाडु या बिहार के किसी दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाला कोई सड़क विक्रेता या व्यक्ति गोपनीयता नीतियों में प्रयुक्त ष्चालाक भाषाष को नहीं समझ सकता है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि उपभोक्ताओं का व्यावसायिक शोषण किया जा रहा है और मौन उपभोक्ताओं को आवाजहीन व्यवस्था का शिकार बताया। न्यायालय ने आगे कहा कि उपयोगकर्ता ऐसे प्लेटफार्मों के आदी हो गए हैं और वास्तविक विकल्प यह नहीं है कि उन्हें चेतावनी दी गई थी या नहीं, बल्कि यह है कि उन्हें शर्तों को स्वीकार करने या सेवा छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। इस बात पर जोर देते हुए कि निजता के अधिकार से समझौता नहीं किया जा सकता, पीठ ने कहा कि वह किसी भी नागरिक के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होने देगी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ष्यह देश की निजता पर चोरी करने का एक घटिया तरीका है। इस देश में निजता के अधिकार की इतनी सख्ती से रक्षा की जाती है कि हम आपको इसका उल्लंघन करने की अनुमति नहीं देंगे। न्यायालय ने अंतरिम निर्देश जारी करने के उद्देश्य से मामले की सुनवाई 9 फरवरी को स्थगित कर दी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौत में छिपा क्या है?

शशि थरूर ने उठाए सवाल, सरकार से मांगी पूरी पारदर्शिता

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर स्पष्टता की मांग करते हुए कहा कि भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करना सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन सरकार को इसके विवरण स्पष्ट करने चाहिए। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। एएनआई से बात करते हुए थरूर ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि इसमें क्या शामिल है। विपक्ष केवल स्पष्टता मांग रहा है। हमें नहीं पता कि समझौते में क्या है। हमारे पास श्री ट्रंप और श्री मोदी के ट्वीट हैंय क्या संसदीय लोकतंत्र में इतना काफी है? क्या भारत सरकार को आकर देश की जनता को यह नहीं बताना चाहिए कि समझौते में क्या है? थरूर ने भारतीय किसानों और व्यापार पर समझौते के प्रभाव पर सवाल उठाते हुए पूछा कि कृषि के लिए क्या सुरक्षा उपाय किए गए हैं और क्या भारत को अन्य देशों से अपने आयात में बदलाव करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि अच्छी खबर का स्वागत है, लेकिन सरकार को पूरी पारदर्शिता बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रम्प कहते हैं कि यह कृषि के लिए है, तो भारतीय किसानों के लिए क्या सुरक्षा उपाय हैं? ट्रम्प 500 अरब अमेरिकी डॉलर की बात कर रहे हैं, जबकि हमारा पूरा आयात बिल 700 अरब अमेरिकी डॉलर है, तो क्या हम अन्य सभी देशों से खरीदना बंद कर दें? अगर यह अच्छी खबर है तो हम जश्न मनाना चाहेंगे, लेकिन हमें स्पष्टता दें। इससे पहले दिन में, कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पूरा विवरण मांगा और कृषि क्षेत्र को खोलने, टैरिफ को "शून्य" करने और रूसी तेल की खरीद पर रोक लगाने जैसे कई प्रमुख पहलुओं पर सवाल उठाए, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था।

जेल से सीधे बिहार विधानसभा पहुंचे अनंत सिंह, शपथ लेते ही छुए सीएम नीतीश के पैर

मंगलवार को मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली, जिस पर सदन में काफी ध्यान गया। दुलारचंद यादव हत्याकांड में तीन महीने से न्यायिक हिरासत में रहे सिंह ने शपथ पत्र पढ़े बिना ही शपथ ग्रहण समारोह पूरा कर लिया। शपथ लेने के तुरंत बाद वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गए, उनके पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री ने उनसे माथे पर लगे तिलक के बारे में पूछा, जिसके बाद सिंह सदन के सदस्यों की निगाहों के सामने अपनी सीट पर लौट आए। पटना सिविल कोर्ट ने सिंह को केवल शपथ ग्रहण के लिए अनुमति दी थी। जमानत अभी तक मंजूर नहीं हुई है, इसलिए विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होते ही उन्हें ब्युर जेल लौटना होगा। सदन में उनकी उपस्थिति संवैधानिक आवश्यकता के कारण ही संभव हो पाई, क्योंकि अनुच्छेद 188 के तहत विधायक को कार्यवाही में भाग लेने के लिए शपथ लेना अनिवार्य है। अनुच्छेद 193 के तहत शपथ के बिना कार्य करना वर्जित है। शपथ लेने के बाद सिंह ने कहा कि मैं निर्दोष हूं, मुझे न्याय मिलेगा।

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा की तारीख घोषित, 8 से 10 जून तक होगी लिखित परीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस में बतौर सिपाही भर्ती होने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। योगी सरकार ने आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत होने वाली लिखित परीक्षा की तारीखें घोषित कर दी हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से मंगलवार को जारी सूचना के अनुसार सिपाही भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा 8 जून (सोमवार), 9 जून (मंगलवार) और 10 जून (बुधवार) को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा तीनों दिनों में दो-दो पालियों में कराई जाएगी। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से कुल 32,679 पदों को भरा जाएगा। सिपाही भर्ती परीक्षा से संबंधित अन्य जानकारी, परीक्षा केंद्र, एडमिट कार्ड एवं दिशा-निर्देश उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा वर्ष 2024 में प्रदेश में कांस्टेबल के कुल 60,244 पदों पर भर्तियां की गई थीं। यह प्रदेश सरकार की अब तक की सबसे बड़ी भर्ती थी। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित सभी पदों में से 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित रखते हुए उन्हें नियुक्ति प्रदान की गई है।

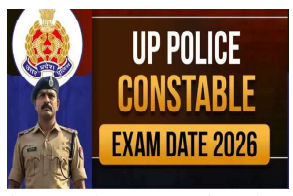

किसानों से धोखा, आत्मनिर्भरता पर हमला

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अखिलेश यादव ने केंद्र को घेरा

समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोलना देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी के साथ विश्वासघात है, जो अपनी आजीविका के लिए खेती पर निर्भर है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटकर 18 प्रतिशत हो गया है, जबकि वाशिंगटन का दावा है कि इस समझौते से उसे नई दिल्ली को अधिक कृषि उत्पाद निर्यात करने में मदद मिलेगी। एक्स पर एक पोस्ट में यादव ने लिखा कि भाजपा ने फिर शकिसानोंश पर हमला किया। भाजपा सरकार, जवाब दोरू दबाव क्या है? अमेरिकी कृषि उत्पादों और अनाजों के लिए भारत के बाजार खोलना हमारे देश की 70% आबादी के साथ विश्वासघात है, जो अपनी आजीविका के लिए खेती और कृषि पर निर्भर है। भाजपा सदस्य और उनके सहयोगी स्वतंत्रता से पहले भी विदेशियों के एजेंट थे, और आज भी हैं। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की बात करने वाले भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों को जनता के बीच जाकर यह बताना चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था के साथ विश्वासघात करने के बदले उन्होंने कितना कमीशन लिया है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां न केवल किसानों को नुकसान पहुंचाएंगी बल्कि खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों, मुनाफाखोरी को बढ़ावा देने और अंततः किसानों को अपनी जमीन बड़ी कंपनियों को बेचने के लिए मजबूर करके निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग को भी प्रभावित करेंगी। पोस्ट में लिखा था कि इससे न केवल किसान बल्कि निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, क्योंकि इससे अनाज और कृषि उत्पादों से मुनाफाखोरी होगी और बिचौलियों की एक नई नस्ल का उदय होगा। परिणामस्वरूप, सभी खाद्य और पेय पदार्थ और भी महंगे हो जाएंगे। साथ ही, भाजपा इन कंपनियों से चंदा भी वसूलेगी, जिससे खाद्य और कृषि उत्पादों की कीमतें और भी बढ़ जाएंगी। धीरे-धीरे, इससे हमारे किसानों की खेती और आय कम हो जाएगी, जिससे वे अपनी जमीन अमीरों और कंपनियों को बेचने के लिए मजबूर हो जाएंगे। जमीन हड़पना भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों का अंतिम लक्ष्य है। इसके अलावा, समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने केंद्र की विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि इसकी अस्पष्टता ने व्यापारियों और निर्यातकों को नुकसान पहुंचाया है, कारोबारियों के लिए वित्तीय संकट पैदा किया है और वैश्विक मंच पर भारत के राष्ट्रीय हितों को कमजोर किया है।

महादेऊर में धूमधाम से मनाई गई संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रुधौली –संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के शुभ अवसर पर ग्राम पंचायत देउरा के राजस्व गांव महरादेऊर में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान उमाकांत वर्मा की अगुवाई में गांव में जुलूस निकालकर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जुलूस में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हुए। जुलूस की शुरुआत गुरु रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद "गुरु रविदास जी अमर रहें", "समानता और भाईचारे का संदेश" जैसे जयघोषों के साथ

जुलूस गांव के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। जुलूस के दौरान भजन–कीर्तन और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम प्रधान उमाकांत वर्मा ने कहा कि संत गुरु रविदास जी ने समाज को समानता, प्रेम और मानवता का मार्ग दिखाया। उनका जीवन हमें जाति–भेद और ऊंच–नीच से ऊपर उठकर समाज में एकता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से गुरु रविदास जी के विचारों को अपने जीवन में अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन संपन्न हुआ। आयोजक प्रभु राम मास्टर, मुकेश कुमार, अरविन्द कुमार, शनि, बेचन प्रसाद, मनोज कुमार, राम सुमेर, शिव पूजन, दिलीप, राम सेवक, राम शिव, अमेरिका प्रसाद, लल्लू प्रसाद, राजेश कुमार, नितीश, राजन राव,समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।

थरौली में अवधी–भोजपुरी नाट्य व लोक कला कार्यशाला संपन्न, स्वतंत्रता आंदोलन की लोक परंपराओं पर रहा फोकस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। महादेवा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम थरौली में मंगलवार को "कला लोक" ट्रस्ट के तत्वावधान में स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित अवधी–भोजपुरी नाट्य उत्सव, लोक गायन एवं लोक नृत्य की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोक कलाओं की समृद्ध परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता नितेश शर्मा ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत लोक कला और संस्कृति की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध देश रहा है। हमारे लोक गीत, लोक नृत्य और नाट्य विधाएं स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान क्रांतिकारियों में ऊर्जा और चेतना का संचार करने का माध्यम बनीं। अवधी–भोजपुरी नाट्य व लोक गायन की स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने चिंता

जताते हुए कहा कि कई लोक कलाएं आज विलुप्ति की कगार पर हैं, जिनके संरक्षण के लिए ऐसे आयोजनों की नितांत आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ. नवीन सिंह ने कहा कि गीत–संगीत स्वस्थ जीवन का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए लोक कलाओं को बढ़ावा देने वाले आयोजनों का नियमित रूप से आयोजन होना चाहिए। वहीं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुनील पाण्डेय ने सुझाव दिया कि लोक कलाओं को विद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ सके। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत दादरा नृत्य शैली ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह पारंपरिक नृत्य वैवाहिक प्रेम और मानवीय भावनाओं के सुंदर चित्रण के लिए जाना जाता है। समापन सत्र में युवा विकास समिति द्वारा लोक संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बृहस्पति कुमार पांडेय ने किया। इस अवसर पर अयोध्या से आए कलाकार प्रकृति, विवेक पांडेय, सुजीत, रमा प्रजापति, अनुष्का, सृष्टि दूबे, सुमन यादव, अमीश कुमार, राजकुमार और संदीप कुमार ने स्वतंत्रता आंदोलन में अवधी–भोजपुरी नाट्य व लोक गायन की भूमिका पर प्रभावशाली मंचीय प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में विवेक मिश्र, राममूर्ति मिश्र, राम गदाधर पाण्डेय, प्रशांत, माधुरी, देवेन्द्र पाण्डेय, सचिन्द्र, नीरू, रश्मि, आरती और विपिन कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

धान खरीद घोटाला: सब कुछ सामने है, फिर भी खामोश प्रशासन-क्या कार्रवाई से ऊपर है भ्रष्टाचार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सरकारी धान खरीद केंद्रों पर चल रहा घोटाला अब आरोप नहीं, बल्कि तथ्यों पर आधारित सच्चाई बन चुका है। एक बीघा जमीन के नाम पर 200 से 250 कुंतल धान की खरीद सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि असली किसान अपनी फसल बेचने के लिए आज भी समितियों और केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं। सवाल यह नहीं कि घोटाला हो रहा है, सवाल यह है कि जब सब कुछ सामने है, तब प्रशासन कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा?खरीद केंद्रों पर फर्जी किसानों के नाम, फर्जी जमीन के कागजात और मनमाने वजन के आधार पर धान खरीदा दिखाया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि यह सब बिना विभागीय मिलीभगत के संभव ही नहीं। नमी, स्लॉट और तकनीकी खराबी का बहाना बनाकर वास्तविक किसानों को बाहर किया जाता है, जबकि दलालों के जरिए तयशुदा नामों पर सरकारी धन निकाल लिया जाता है।सबसे गंभीर तथ्य यह है कि यह मामला मीडिया में आने के बाद भी अधिकारियों ने न तो कोई जांच बैठाई और न ही किसी कर्मचारी से जवाब–तलब किया। इससे साफ संकेत मिलता है कि या तो अधिकारी व्यवस्था से ऊपर हैं, या फिर इस घोटाले की परतें सत्ता के गलियारों तक जुड़ी हैं।प्रशासन की यह चुप्पी किसानों के साथ सीधा अन्याय है। सरकार एक ओर किसान हितैषी होने का दावा करती है, दूसरी ओर उन्हीं किसानों को सरकारी व्यवस्था में अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा है। क्या जिले के जिम्मेदार अधिकारी यह बताने को तैयार हैं कि खरीद केंद्रों की निगरानी किसके जिम्मे है? और यदि जिम्मेदारी तय है, तो कार्रवाई क्यों नहीं?अब यह सिर्फ धान खरीद का मामला नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही की परीक्षा है। यदि तत्काल उच्चस्तरीय जांच, दोषी अधिकारियों की पहचान और कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो यह साफ हो जाएगा कि भ्रष्टाचार को मौन संरक्षण दिया जा रहा है। किसान अब सिर्फ मदद नहीं, जवाब और न्याय मांग रहे हैं।

आरसीसी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। आज मंगलवार को आरसीसी पब्लिक स्कूल के खेल मैदान में विद्यालय के वार्षिक खेल महोत्सव का शुभारंभ अत्यंत हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीआईजी बस्ती रेंज संजीव त्यागी रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की शोभा और महत्व दोनों बढ़ गए। मुख्य अतिथि के आगमन पर विद्यालय के निदेशक शैलेश चौधरी एवं उपप्रधानाचार्य विजय प्रकाश चौधरी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं माल्यार्पण के माध्यम से उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएँ रश्मि, सकीना बानो, प्रीति, प्रियंका चौधरी, सरिता

पांडेय, सपना दूबे, प्रिया शुक्ला, शुभांगी, आकांक्षा सिंह एवं सुहानी सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से हुआ, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ताइक्वांडो का अनुशासनपूर्ण एवं साहसिक प्रदर्शन सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत प्रथम दिवस पर 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। साथ ही नर्सरी, एलकेजी एवं यूकेजी के नन्हे–मुन्ने विद्यार्थियों के लिए विशेष खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें अभिभावकों की सहभागिता भी देखने को मिली। बच्चों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अबिराज देव, अव्युक्त मिश्रा, शाश्वत त्रिपाठी, आन्या शुक्ला एवं आयुष ने श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। मुख्य अतिथि संजीव त्यागी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके आत्मविश्वास, अनुशासन एवं खेल भावना की सराहना की और कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।विद्यालय प्रबंधन ने जानकारी दी कि यह वार्षिक खेल महोत्सव आगामी तीन दिनों तक विभिन्न खेल गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं के साथ निरंतर जारी रहेगा।

डा. वी.के. वर्मा ने वियतनाम में प्रस्तुत किया पैरालाइसिस' पर शोध पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जिला चिकित्सालय में आयुष चिकित्साधिकारी होम्योपैथ के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन से वापस आने के बाद यहां जारी विज्ञप्ति के माध्यम से डा. वर्मा ने बताया कि होम्योपैथ भारत की तरह वियतनाम में भी लोकप्रिय चिकित्सा पद्धति है। होम्योपैथ के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दुनियां के विभिन्न हिस्सों से 400 से अधिक चिकित्सकों ने हिस्सा लिया। ज्ञात रहे कि डा. वी.के. वर्मा को चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिये भारत के साथ ही नेपाल, श्रीलंका, दुबई, लंदन, कजाकिस्तान, थाईलण्ड आदि देशों में भी सम्मानित किया जा चुका है।

होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने वियतनाम की राजधानी हनोई में आयोजित होम्योपैथ के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लकवा 'पैरालाइसिस' पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। कहा कि होम्योपैथ में इस रोग के उपचार की पूरी व्यवस्था है। यह ऐसी पद्धति है जिसमें रोग का पूरी तरह से निवारण होता है।

सेंट जेवियर्स क्रिकेट एकेडमी का भव्य उद्घाटन

बस्ती मंडल को मिली आधुनिक क्रिकेट प्रशिक्षण की सौगात अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है किक्रेट का मैदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंगलवार को शहर में क्रिकेट को नई दिशा देने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सेंट जेवियर्स क्रिकेट एकेडमी का भव्य उद्घाटन किया गया। यह एकेडमी विजय यादव क्रिकेट अकादमी द्वारा संचालित एवं प्रबंधित की जाएगी। उद्घाटन समारोह में देश–प्रदेश की क्रिकेट जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राहुल तेवतिया (भारतीय क्रिकेट टीम एवं आईपीएल खिलाड़ी) उपस्थित रहे। उनके साथ विजय यादव (पूर्व भारतीय क्रिकेटर), गजेंद्र नाथ तिवारी (निदेशक, उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ), शफीक सिद्दीकी (अध्यक्ष, मंडल क्रिकेट संघ, गोरखपुर), राजीव कुमार (निदेशक, सेंट जेवियर्स स्कूल), श्रीमती सोनी कुमारी (मैनेजिंग डायरेक्टर, सेंट जेवियर्स स्कूल), निदेशक कोचिंग विजय यादव क्रिकेट एकेडमी अनिकेत उपाध्याय (बीसीसीआई एवं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रमाणित कोच), इंजीनियर राहुल उपाध्याय (हेड ऑफ मैनेजमेंट, सेंट जेवियर्स क्रिकेट एकेडमी) एवं डॉ. पी. एस. पटेल (वरिष्ठ परामर्शदाता, शिशु रोग विशेषज्ञ) विशेष रूप से मौजूद रहे। सेंट जेवियर्स क्रिकेट एकेडमी को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यहां

काली मिट्टी की विकेट, मैकेनिकल रोलर, आधुनिक बॉलिंग मशीन, आधुनिक प्रैक्टिस नेट्स, मैच के लिए काली मिट्टी एवं हरी घास की टर्फ विकेट, लश ग्रीन क्रिकेट ग्राउंड (सेलेक्शन नंबर–1 क्रिकेट ग्रास से परिपूर्ण), आधुनिक सिंचाई प्रणाली तथा अत्याधुनिक घास काटने की मशीन जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह एकेडमी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग देने के लिए पूरी तरह सक्षम है। एकेडमी की परिकल्पना कम उम्र में ही प्रतिभाशाली और पेशेवर क्रिकेटरों की नर्सरी तैयार करने की है। आयोजकों ने कहा कि बस्ती जैसे मंडल में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मंच और मार्गदर्शन की है। सेंट जेवियर्स क्रिकेट एकेडमी का उद्देश्य मंडल के युवा खिलाड़ियों को वह मंच प्रदान करना है, जहां से वे राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। इस अवसर पर वक्ताओं ने बस्ती मंडल में पेशेवर क्रिकेट को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया और एकेडमी की पहल को क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताया। उद्घाटन समारोह में खेल प्रेमियों, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

यूजीसी एक्ट को लेकर सवर्ण समाज में अक्रोश,हजारो की संख्या में जोरदार प्रदर्शन ,निकाला जुलूस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। यूजीसी के नए नियमों और यूजीसी एक्ट–2026 के विरोध में मंगलवार को सवर्ण समाज के लोगों ने शहर में जोरदार प्रदर्शन करते हुए जुलूस निकाला। बीएसए ग्राउंड में विभिन्न संगठनों से जुड़े सैकड़ों लोग सुबह एकत्र हुए और हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में कलक्ट्रेट की ओर बढ़े। जुलूस के दौरान यूजीसी वापस लो, शिक्षा में भेदभाव नहीं चलेगा, समान शिक्षा–समान अवसर जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। बीएसए ग्राउंड से निकला जुलूस जैसे ही कलक्ट्रेट परिसर पहुंचा, प्रदर्शन और तेज हो गया। यहां करीब एक घंटे तक लोगों ने धरना–प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।इस दौरान प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ भी आक्रोश जताया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि यूजीसी के नए नियम शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने के साथ–साथ समाज में जातीय विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए कलक्ट्रेट परिसर और आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से चलता रहा। अंत में सवर्ण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से यूजीसी एक्ट–2026 को वापस लेने की मांग की गई। जिक्र किया कि नए नियमों के चलते सामान्य वर्ग के छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इससे शिक्षा के क्षेत्र में असमानता बढ़ेगी और सामाजिक समरसता कमजोर होगी। ज्ञापन सौंपने के बाद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक वापस लौट गए, लेकिन प्रशासन और सरकार को यह साफ संदेश दे कर गए कि यूजीसी एक्ट–2026 को लेकर समाज का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। इस मौके पर दिव्यांषु महराज,सुधीर पाण्डेय फरसा बाबा,अजय कसौधन,गोविन्द ओझा, गंगा मिश्रा,कौशलेन्द्र त्रिपाठी,राकेश त्रिपाठी,कैलाश द्विवेदी, राजन सिंह, कमलेष दूबे, पवन मिश्रा, कृष्ण पाल सिंह, आषीश पाण्डेय, सुनील पाठक, राकेष मिश्रा, सौरभ षर्मा, प्रवेष षुक्ला, रजत तिवारी, दिलीप तिवारी सर्वेष मिश्रा, अजय सिंह, रविन्द्र सिंह, जितेन्द्र पाण्डेय, मनोज मिश्रा, अखिलेष मिश्रा, अरूण उपाध्याय, देवनरायान पाण्डेय, वासुदेव पाण्डेय, प्रेमनरायन पाण्डेय, रोहित चौबे, कृश्ण कुमार सोखा, सूरज त्रिपाठी, पषुपति दूबे, श्रीसी सिंह, कमलेश पाण्डेय, अखड़ प्रताप सिंह, सुनील त्रिपाठी, अभिषेक पाठक, नीरज पांडेय, गणेश शंकर पांडेय, रत्नेश सिंह, एम.पी.सिंह, प्रदीप सिंह, उमेश सिंह, रामरूप पांडेय, निखिल दुबे, विवेक सिंह, शिवेंद्र पांडेय, नितिन श्रीवास्तव, परितोष मिश्रा, गोपाल मिश्रा, विजय मिश्रा, अंजनी दुबे, अमरनाथ पाण्डेय, बंटी सिंह, राजमंगल पाण्डेय, सुधाकर मिश्रा, विनोद दुबे, मेजर सिंह, संतोष मिश्र, मुन्ना पांडेय, घनश्याम पांडेय, अखिलेश पांडेय, शिवा पांडेय, हर्ष चौबे, अजीत सिंह सहित हजारो व्यक्ति मौजूद रहे।

राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल का बस्ती में संभावित दौरा 10 को

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल का 10 फरवरी को बस्ती में संभावित दौरा हो सकता है। वे इन्दिरा चौरिटेबल सोसायटी के आमंत्रण पर आ रही है और गरिमा गृह का उद्घाटन करेंगी। राज्यपाल के संभावित दौरे को देखते हुये मंगलवार को जिलाधिकारी .त्तिका ज्योत्सना ,मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल , मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, उपजिलाधिकारी सहित प्रशासन के अनेक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल मालवीय रोड बादशाह टाकीज के पीछे स्थित गरिमा गृह का दौरा किया। यह जानकारी देते हुये इन्दिरा चौरिटेबल सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि बस्ती में देश का 24 वां गरिमा गृह होगा जहां ट्रांसजेंडरों को एक छत के नीचे नीचे निःशुल्क भोजन, चिकित्सा, कौशल विकास, कानूनी मदद दी जायेगी।

उद्योग बंधु की बैठक का व्यापारियों ने किया बहिष्कार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित जिला उद्योग बंधु की बैठक उस समय असहज स्थिति हो गई, जब उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कसौंधन के नेतृत्व में व्यापारियों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह के समक्ष व्यापारियों ने अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते हुए सभागार से बाहर निकलकर विरोध दर्ज कराया। कलक्ट्रेट सभागार के बाहर बहिष्कार कर दरहे व्यापारियों के समक्ष अधिकारियों द्वारा मान–मनौव्वल का दौर चलता रहा। काफी प्रयासों के बाद सीडीओ बलराम सिंह ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट समय सीमा तय कर निर्देशित किया जाएगा। इसके साथ ही भविष्य में सिद्धार्थनगर महोत्सव में वीआईपी पास अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने तथा सिद्धार्थनगर महोत्सव सहित अन्य शासकीय आयोजनों में स्थानीय व्यापारियों और ठेकेदारों को प्राथमिकता देने का भरोसा दिया गया। इस अवसर पर व्यापार संगठन की ओर से एक ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें व्यापारियों की समस्याओं पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने, सिद्धार्थनगर महोत्सव में अन्य वर्गों की भांति व्यापार संगठन के पदाधिकारियों को पर्याप्त संख्या में वीआईपी पास जारी करने तथा महोत्सव, सामूहिक विवाह कार्यक्रम या अन्य सरकारी आयोजनों में बाहरी व्यापारियों व ठेकेदारों के स्थान पर जिले के व्यापारियों को वरीयता देने जैसे प्रमुख बिंदु शामिल रहे। मौके पर उत्तर प्रदेश व्यापार संगठन के जिला, तहसील व ब्लाक स्तरीय पदाधिकारियों में शिवदत्त अग्रहरि, नीरज श्रीवास्तव, तनवीर अहमद, दुर्गा प्रसाद, राजकमल जायसवाल, रवींद्र कसौंधन, अनुराग कसौंधन, मो. कैफ, सचमुच त्रिपाठी, आशीष कौशल, अशोक वर्मा, आशीष जायसवाल, संतोष मिश्रा, रमेश चौहान, संतोष गुप्ता, रामू गुप्ता, कृष्णा वर्मा, विजय वर्मा, धनेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

300 रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित, सिद्धार्थनगर के शिक्षक हिमांशु द्विवेदी भी हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। जीवन रक्षक फाउंडेशन, गाजीपुर के तत्वावधान में राष्ट्रीय सम्मेलन एवं जीवन रक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन रविवार, 01 फरवरी 2026 को शहनाई पैलेस, बन्धवा (गाजीपुर) में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले गाजीपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों एवं जनपदों के लगभग 300 रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि श्री अभिनव सिन्हा ने चयनित रक्तदाताओं को सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर शतकवीर एवं अर्धशतकवीर रक्तदाताओं सहित उत्तर प्रदेश के 15 जनपदों और गाजीपुर के 250 से अधिक रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तीन विशेष सम्मान भी प्रदान किए गए। रक्त शिरोमणि सम्मान वाराणसी के 58 वर्षीय प्रदीप इसरानी को 245 बार रक्तदान करने के लिए दिया गया। चिकित्सा शिरोमणि सम्मान होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. एम. डी. सिंह को कोविड–19 महामारी के दौरान निस्वार्थ सेवा और गरीब मरीजों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रदान किया गया। श्रेष्ठ सेवा शिरोमणि सम्मान कुंवर वीरेन्द्र सिंह को वर्षों से 2300 से अधिक लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर मानवता की मिसाल पेश करने के लिए दिया गया। शतकवीर रक्तदाताओं में महाराष्ट्र के दीपक शामसुन्दर शुक्ला एवं वाराणसी के राजेश गुप्ता को सम्मानित किया गया। अर्धशतकवीर रक्तदाताओं में गाजीपुर, मिर्जापुर, वाराणसी, गोरखपुर, भदोही, अंबेडकरनगर सहित विभिन्न जिलों के रक्तदाता शामिल रहे। इसी क्रम में सिद्धार्थनगर जनपद के लिए गौरव का क्षण तब आया जब भनवापुर शिक्षा क्षेत्र के सेखुई गोर्वधन में कार्यरत शिक्षक हिमांशु द्विवेदी को उनके सराहनीय रक्तदान योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उनके सम्मानित होने से क्षेत्र के शिक्षकों एवं युवाओं में सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को नई प्रेरणा मिली है। संस्था के संस्थापक शीर्षदीप शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान मानव जीवन बचाने का सबसे सशक्त माध्यम है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव डॉ. उरूज फात्मा, सह–सचिव सुरजीत कुमार एवं संजीव अरुण कुमार ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। समापन पर संस्था के अध्यक्ष मनीष कुमार पाल ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए रक्तदान जागरूकता का संकल्प दोहराया।

गोरखपुर ने लखनऊ को हराकर किया ट्रॉफी पर कब्जा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 का फाइनल मुकाबला मंगलवार को गोरखपुर और लखनऊ के बीच खेला गया, जिसमें गोरखपुर की टीम ने लखनऊ को 7 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री व वर्तमान विधायक बांसी राजा जय प्रताप सिंह रहे, तो वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता श्याम जायसवाल मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल के प्रति उनका उत्साह वर्धन किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने क्रिकेट ग्राउंड की पश्चिमी बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य अपने निजी खर्च से करवाने की बात कही और कहा कि शीघ्र ही शासन स्तर से भी क्रिकेट ग्राउंड में दो कमरों सहित एक बड़ा हाल का निर्माण होगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों के लिए अन्य आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध कराने की बात कही है। प्रतियोगिता में गोरखपुर के कप्तान नीरज यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 167 रन हीं बन पाई। लखनऊ की तरफ से आशुतोष चौधरी ने 68 अमित शर्मा ने 38 व राजकुमार ने 36 रनों का योगदान दिया। गोरखपुर की तरफ से राहुल सिंघवा व नीरज यादव ने दो–दो, संदीप मित्तल व अमन पासवान ने एक–एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने तेरी गोरखपुर ने शानदार शुरुआत करते हुए अमन पासवान ने नाबाद 60, संदीप मित्तल ने 31, अंकुर लखमणि ने 39, आनंद दुबे ने 22 रनों का योगदान दिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच गोरखपुर के अमन पासवान रहे। इस प्रतियोगिता के मैन ऑफ द सीरीज गोरखपुर के संदीप मित्तल, वेस्ट बैट्समैन संदीप मित्तल गोरखपुर, बेस्ट बॉलर अनुराग यादव गोरखपुर रहे। इस अवसर पर शोहरतगढ़ चेयरमैन श्रीमती उमा अग्रवाल, भाजपा नेता श्याम जायसवाल, श्याम सुंदरचौधरी, सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश प्रतापसिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, मनीष श्रीवास्तव, राजेश उपाध्याय, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, सुनील पांडे, सुनील सिंह, संदीप दुबे, मनोज सिंह, गंगेश्वर कुशवाहा, विवेक मणि त्रिपाठी सहित अंपायर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से राहुल सिंह, सत्येंद्र सिंह, कॉमेंटेटर की भूमिका में अंतरराष्ट्रीय कमेंटेटर प्रयागराज अनवर सिद्दीकी, ऑनलाइन स्कोरिंग विशाल यादव व पेपर स्कोरिंग विशाल मौर्य तथा यूट्यूब पर लाइवटेलीकास्ट अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी नें देखा डुमरियागंज में एसआईआर का कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एस.आई.आर. के दृष्टिगत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा तहसील डुमरियागंज एवं इटवा का में बैठक गया। बैठक में डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र के समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बूथवार अनमैप्ड मतदाताओं के नोटिस निस्तारण व सुनवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपजिलाधिकारी राजेश कुमार द्वारा किए गए सर्वाधिक 71 प्रतिशत निस्तारण की जिलाधिकारी ने सराहना की। वहीं जिन सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर से पोर्टल पर 20 प्रतिशत से कम निस्तारण पाया गया और जिनके यहां सर्वाधिक आवेदन लंबित रहे, उन्हें चिन्हित करते हुए अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा प्रगति संतोषजनक न होने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी(ईआरओ) से अनमैप्ड मतदाताओं की अब तक की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि गांव–गांव जाकर नोटिस निर्गत करने के उपरांत साक्ष्य मिलान के लिए अनिवार्य रूप से जनसुनवाई आयोजित की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनसुनवाई से कम से कम दो दिन पूर्व संबंधित मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों की पूरी जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे सत्यापन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया जा सके। बैठक में नोटिस जारी करने की प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक समस्याओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिस पर जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने नोटिस निस्तारण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि अनमैप्ड मतदाताओं को अधिकतम सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन को गांव–गांव जाकर कार्रवाई करनी होगी, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कम प्रगति वाले तहसील डुमरियागंज के 09 ए.ई.आर.ओ. तथा तहसील इटवा के 09 ए.ई.आर.ओ. को स्पष्टीकरण निर्गत करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर तहसीलदार रविकुमार यादव, नायब तहसीलदार विष्णु प्रसाद सिंह, खंड विकास अधिकारी कार्तिकेत मिश्र, डॉ. विनोद मणि त्रिपाठी, अधिशासी अधिकारी सचिन कुमार पटेल, राजन गुप्ता, पूर्ति निरीक्षक मुकेश कुमार, एबीएसए अशोक कुमार सिंह, एडीसीओ राजेश कुमार, एडीओ पंचायत ब्रजेश गुप्ता, वीआरसी अभिषेक कुमार, सौरभ चौरसिया आदि मौजूद रहे।

सावधान : झाड़–फूंक करने वाले कहीं लुट न से जीवन भर की कमाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज कस्बे के निवासी एक दंपती ने पुलिस से शिकायत की कि झाड़–फूंक के बहाने दो लोगों ने उनके जेवरात लेकर चंपत हो गए। युवक का आरोप है कि बच्चे न होने के कारण उनकी पत्नी ने झाड़–फूंक पर भरोसा किया था।शिकायत में बताया गया कि गोंडा जिले के गेनीनगर निवासी मेही उर्फ नाना और प्रेमकुमार निवासी टेगनावाहा केशवनगर पश्चिमी, थाना खोड़ारे गोंडा आए और झाड़–फूंक के दौरान जेवरात मांगे।पत्नी ने विश्वास कर मंगलसूत्र, नथुनी और सोने का टीका पोटली में बांधकर दिया। बाद में पोटली खोलने पर जेवरात गायब पाए गए और उसकी जगह मिट्टी मिली। दंपती के अनुसार, दोनों आरोपी सीसीटीवी में कैद हैं और शिकायत के बाद प्रेमकुमार ने मोबाइल पर धमकी भी दी कि मामला उजागर किया तो जान से हाथ धो बैठेंगे। प्रभारी निरीक्षक श्री प्रकाश यादव ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नेपाल से आईं बहुएं नहीं बन सकतीं मतदाता,पहले लेनी होगी भारत की नागरिकता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नेपाल से आईं बहुएं भारत की मतदाता नहीं बन सकती हैं। मतदाता सूची में उन्हें अपना नाम शामिल करवाने के लिए पहले यहां की नागरिकता लेनी होगी। इसीलिए भारत की वैध निवासी होते हुए भी उन्हें जनप्रतिनिधि चुनने का अधिकार नहीं मिलेगा। अलबत्ता, तय मानक पूरा करने पर ऐसे दंपतियों के बच्चे जरूर भारतीय नागरिक माने जाएंगे। उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो सकता है।भारत और नेपाल में रोटी–बेटी का प्रगाढ़ संबंध है। ऐसे में सिद्धार्थनगर, महराजगंज, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत के लोगों की नेपाल में शादी हुई है। चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि नेपाल की जो लड़कियां भारतीय नागरिकों से शादी करके यहां बस गई हैं, वह यहां की वैध निवासी तो हैं, पर वह भारतीय नागरिक नहीं हैं।नेपाली महिलाओं को विवाह के बाद भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत आवेदन करना होता है जिसके लिए सात साल तक भारत में लगातार निवास का प्रमाण और विवाह पंजीकरण अनिवार्य है। यह प्रक्रिया जिलाधिकारी, राज्य व केंद्र के गृह विभाग के माध्यम से पूरी होती है। भारत में जन्म लेने वालों के वोटर बनने के लिए ये हैं नियम अगर कोई व्यक्ति एक जुलाई 1987 से पहले भारत में पैदा हुआ है, तो उसे यहां का स्वतः नागरिक मान लिया जाता है। 1 जुलाई 1987 से दो दिसंबर 2004 के बीच जन्मे व्यक्ति को तभी नागरिक माना जाता है, जब मां–बाप में से कोई एक यहां का नागरिक हो।दो दिसंबर 2004 के बाद जन्म लेने वालों को तभी भारत का नागरिक माना जाएगा, जब मां–बाप में से कोई एक भारत का नागरिक हो और दूसरा यहां वैध तरीके से रह रहा हो। भारत–नेपाल के बीच संधि के चलते भारत में रह रहे नेपाली नागरिक यहां के वैध निवासी माने जाते हैं।

महिला ने दरोगा पर लगाया छेड़खानी करने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने स्थानीय थाना में तैनात दरोगा पर छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। एसपी को शिकायती पत्र भेजकर मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि 20 नवंबर 2025 को उसकी दो बेटियां अचानक लापता हो गई थीं। इसकी शिकायत उन्होंने डुमरियागंज थाने में दर्ज कराई, लेकिन स्थानीय पुलिस ने शुरू में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। बाद में पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप पर मोबाइल सर्विलांस के जरिये बेटियों की लोकेशन ट्रेस की गई।जांच में एक बेटी गुजरात और दूसरी मुंबई में मिली। महिला का आरोप है कि बेटियों की बरामदगी के नाम पर पुलिस टीम के साथ की गई, लंबी दूरी की यात्रा के दौरान पूरा खर्च उसी से करवाया गया। होटल, खाना–पीना और अन्य खर्च भी महिला से ही लिए गए।पीड़िता ने अपने शिकायती पत्र में बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यात्रा के दौरान डुमरियागंज थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर ने होटल में उसके साथ जोर–जबरदस्ती करने की कोशिश की। विरोध करने पर रास्ते भर फर्जी मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी गई।महिला का यह भी आरोप है कि जिन युवकों के साथ उसकी बेटियां मिली थीं, उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। उल्टा महिला और उसकी बेटियों पर दबाव बनाकर गलत बयान दिलवाने की कोशिश की गई। पीड़िता कीशिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी बांसी कार्यालय में महिला और उसकी बड़ी बेटी का बयान दर्ज कराया गया, लेकिन बयान दर्ज होने के बावजूद अबतक आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अब उसका उत्पीड़न किया जा रहा है। उसने मामले की जांच करके कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में इंस्पेक्टर डुमरियागंज श्रीप्रकाश यादव ने कहा मामला संज्ञान में है। सीओ बांसी को इसकी जांच के लिए नामित किया गया है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

साहब सिपाही ने थाने में मुझसे 10 हजार रुपये ,धन उगाही का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा। गोल्हौरा थाने के बरदहा नानकार निवासी शिवम ने गोल्हौरा पुलिस पर धन उगाही का आरोप लगाया है। उसने सोमवार को एसपी और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करके कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के बरदहा नानकार निवासी शिवम का आरोप है कि थाने से आए फोन पर वह 31 जनवरी को थाने गया था। वहां पर उसने एसओ से बुलाए जाने का कारण पूछा तो उन्होंने सिपाही से कहकर मोबाइल ले लिया और वहीं बैठा दिया। इससे वह घबरा गया और सिपाही से बैठाए जाने का कारण जानना चाहा। बातचीत में 10 हजार रुपये देने पर छोड़े जाने की बात कही। इस बात की जानकारी मां को हुई तो उन्होंने सिपाही को पैसे भिजवाए जिसके बाद उन्हें छोड़ा गया। दूसरे दिन रविवार को हम अपने रिश्तेदारों और शुभचिंतकों को लेकर थाने पर गए और एसओ से मौखिक शिकायत की। तब रकम वापस हुई। इस संबंध में सीओ इटवा पवीन प्रकाश ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सांसद ने लोकसभा में उठाया काला नमक चावल के निर्यात का मुद्दा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को लोकसभा में सांसद जगदम्बिका पाल ने भारत–न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के संदर्भ में विशेष रूप से जीआई टैग प्राप्त कालानमक चावल के हितों को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने संसद में यह महत्वपूर्ण मुद्दा रखा कि यह समझौता पूर्वांचल और विशेष रूप से सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर सहित कालानमक उत्पादन क्षेत्र के किसानों के लिए किस प्रकार नए वैश्विक अवसर खोलेगा। सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भारत–न्यूजीलैंड एफ। लागू होने के बाद न्यूजीलैंड द्वारा भारत के सभी निर्यातों को 100 प्रतिशत ड्यूटी–फ्री बाजार पहुंच प्रदान की जाएगी। इससे कालानमक चावल जैसे विशिष्ट और प्रीमियम कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी और निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। श्री पाल ने विशेष रूप से यह रेखांकित किया कि कालानमक चावल केवल एक कृषि उत्पाद नहीं बल्कि पूर्वांचल की सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक कृषि विरासत और किसानों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। इस समझौते के तहत कालानमक चावल सहित भारतीय जीआई उत्पादों को शून्य शुल्क (मतव क्नजल) पहुंच मिलने से किसानों को बेहतर कीमत मिलने, निर्यातकों को नए बाजार मिलने और पूरे क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि इस समझौते में बौद्धिक संपदा अधिकार (प्च्) प्रावधानों के तहत भारतीय जीआई उत्पादों को संरक्षण देने की व्यवस्था की जा रही है, जिससे कालानमक चावल की अंतरराष्ट्रीय ब्रांड वैल्यू और मजबूत होगी। श्री पाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह समझौता किसानों की आय बढ़ाने, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने और पूर्वांचल क्षेत्र को कृषि निर्यात हब के रूप में विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक अवसर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह पहल आत्मनिर्भर भारत और "वोकल फॉर लोकल" को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सम्पादकीय

मानसी द्विवेदी को वनस्पति विज्ञान में पीएचडी मेहनत का फल

ट्रश्नबेरी की शेल्फ–लाइफ बढ़ाने वाला' अश्नर्गेनिक बेरी सेफ गार्ड विकसित: डश्न. मानसी द्विवेदी ने एक ऐसा प्रा.तिक यौगिक तैयार किया है, जिससे सामान्यत: 2–4 दिन में खराब होने वाली स्ट्रश्नबेरी अब सामान्य तापमान पर 12 दिन और कोल्ड स्टोरेज में 25 दिनों तक सुरक्षित रह सकेगी। नवाचार का औद्योगिकरण और पेटेंट : शोध के दौरान विकसित यह इको–फ्रेंडली उत्पाद न केवल पेटेंट...

सिद्धार्थनगर विकास क्षेत्र उसका बाज़ार के ग्राम पंचायत तिघरा निवासिनी मानसी द्विवेदी को दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने वनस्पति विज्ञान में पीएचडी (**Doctor of Philosophy**) की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने अपना शोध कार्य "Study of Fungal Pathogens causing Strawberry fruit rots and their Management by Natural agents-" विषय पर पूरा किया। यह शोध वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. पूजा सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पीएचडी सर्वोच्च शैक्षणिक उपाधि है, जो गहन मौलिक शोध (**original research**) और थीसिस के सफल बचाव (**defence**) के बाद विश्वविद्यालय द्वारा दी जाती है। यह डिग्री ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता दर्शाती है। इन्होंने अपने शोध में स्ट्रॉबेरी पर कवक संक्रमण तथा इसके प्रा.तिक प्रबंधन का विश्लेषण किया है, इससे सम्बंधित 5 शोध–पत्र अंतराष्ट्रीय स्तर के स्कोपस इंडेक्स (Q1,Q2, Q3 और Q4) जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। शोध के दौरान इनका पेटेंट प्रकाशित हो चुका था जो अब औद्योगिकरण की ओर अग्रसर है। डॉ मानसी द्विवेदी ने बताया कि, माननीय कुलपति महोदया प्रो. पूनम टंडन के कुशल नेतृत्व और प्रेरणादायी विजन के कारण विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार का एक उत्कृष्ट वातावरण निर्मित हुआ है, जिसने मुझे लक्ष्य तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित किया। निदेशक, अनुसंधान प्रकोष्ठ प्रो. दिनेश यादव, नोडल ऑफिसर डॉ. मनिन्द्र कुमार तथा विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग प्रो.अनिल कुमार द्विवेदी आपके निरंतर सहयोग, दिशा–निर्देशों और प्रशासनिक सुगमता के लिए आभार व्यक्त किया। आपके मार्गदर्शन ने मेरे शोध दृष्टिकोण को एक नई दिशा दी है। डॉ. मानसी द्विवेदी ने अपने शोध के दौरान डॉ. रितेश कुमार राय और प्रो. पूजा सिंह के साथ मिलकर श्ऑर्गेनिक बेरी सेफ गार्डश नामक एक प्रा.तिक यौगिक (**Natural Compound**) विकसित किया है। यह नवाचार विशेष रूप से स्ट्रॉबेरी जैसे शीघ्र खराब होने वाले (**Highly Perishable**) फलों के लिए वरदान साबित होगा। डॉ. मानसी के शोध विश्लेषण में पाया गया कि यह उत्पाद फलों की शेल्फ लाइफ को अद्भुत तरीके से बढ़ा देता है, जो स्ट्रॉबेरी सामान्यत 2–4 दिन में खराब हो जाती है, वह इसके प्रयोग से सामान्य तापमान पर 10–12 दिन और कोल्ड स्टोरेज में 20–25 दिनों तक सुरक्षित रह सकती है। इसके उपयोग से फलों के स्वाद, पोषण और गुणवत्ता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। यह पूरी तरह प्राकृतिक, इको–फ्रेंडली व सुरक्षित यौगिक है, जिससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को कोई खतरा नहीं है। कम लागत में तैयार होने के कारण यह किसानों और व्यापारियों के लिए आर्थिक रूप से बेहद किफायती है। डॉ. मानसी द्विवेदी सिद्धार्थनगर के वरिष्ठ मान्यता प्राप्त पत्रकार कैलाश नाथ द्विवेदी एवं श्रीमती अर्चना द्विवेदी की सुपुत्री हैं। डॉ मानसी की इस उपलब्धि पर परिवार, शिक्षकगण और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। स्ट्रॉबेरी की शेल्फ–लाइफ बढ़ाने वाला' ऑर्गेनिक बेरी सेफ गार्ड विकसितः डॉ. मानसी द्विवेदी ने एक ऐसा प्रा.तिक यौगिक तैयार किया है, जिससे सामान्यतः 2–4 दिन में खराब होने वाली स्ट्रॉबेरी अब सामान्य तापमान पर 12 दिन और कोल्ड स्टोरेज में 25 दिनों तक सुरक्षित रह सकेगी। नवाचार का औद्योगिकरण और पेटेंट : शोध के दौरान विकसित यह इको–फ्रेंडली उत्पाद न केवल पेटेंट, बल्कि औद्योगिक उत्पादन की ओर अग्रसर है। यह तकनीक किसानों और व्यापारियों के लिए कम लागत में फलों को सड़ने से बचाने का किफायती समाधान देगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान : डॉ. मानसी के इस शोध कार्य पर आधारित 5 शोध–पत्र प्रतिष्ठित स्कोपस इंडेक्स (Q1– Q4) जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं, जो उनके शोध की उच्च गुणवत्ता और वैश्विक मानकों को प्रमाणित करते हैं।

लेखक : डॉ. मानसी / दैनिक बुद्ध का संदेश

सेमीकंडक्टर वाले चिप्स बनाम आलू चिप्स

मध्यम वर्ग का त्याग अब इतना स्थायी हो गया है कि बजट दिवस को 'राष्ट्रीय त्याग दिवस' घोषित कर देना चाहिए। बजट में घोषणा हुई कि हस्तिनापुर का विकास होगा, उसे पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित किया जायेगा। सुनकर हस्तिनापुर से जुड़ी आत्माएं सक्रिय हुईं।

सात हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा हुई है। सरकार का दावा : अर्जुन के रथ जैसी गति मिलेगी। जनता की प्रतिक्रिया : रथ तो तेज होगा, लेकिन किराया इतना होगा कि हम पैदल ही चलना पसंद करेंगे। गरुड़ की गति तो ठीक है, पर जेब में कबूतर की फड़फड़ाहट भी नहीं है?

सेमीकंडक्टर और बायो–फार्मा पर हजारों करोड़ का आवंटन।

जनता की प्रतिक्रिया रू भविष्य में चिप्स सस्ते होंगे, लेकिन आज आलू के चिप्स ही महंगे हैं। हमारी थाली में आज दाल का भविष्य ही अंधकारमय है।

शिक्षा के जरिये रोजगार सृजन की दिशा में कदमश

महिला छात्रावास का प्रस्ताव

सरकार का दावाः द्रौपदी की आत्मनिर्भरता को सम्मान।

जनता : अच्छा है, अब कम से कम चीरहरण के समय कोई हॉस्टल वार्डन तो होगा। टैक्स स्लैब जस का तस। सरकार का दावा : मध्यम वर्ग राष्ट्र निर्माण का आधार है। जनता की प्रतिक्रिया : हम कर्ण हैं, लेकिन हर साल कवच–कुंडल उतारते–उतारते अब बनियान भी फट गई है। राहत की जगह हमें 'त्याग का प्रमाणपत्र' मिल रहा है। मध्यम वर्ग का त्याग अब इतना स्थायी हो गया है कि बजट दिवस को 'राष्ट्रीय त्याग दिवस' घोषित कर देना चाहिए। सरकार का दावा रक्षा बजट : देश सुरक्षित रहेगा। जनता : 'हमारे घर की रक्षा तो प्याज और टमाटर के दाम से ही खतरे में है। असली युद्ध तो रसोई में चल रहा है। बजट : दवाइयां सस्ती होंगी। जनता : कम से कम इलाज में अब डॉक्टर की फीस ही जान लेगी। दवा सस्ती है, लेकिन अस्पताल का बिल अब भी महाभारत का सबसे बड़ा अस्त्र है। बजट में शराब महंगी। सरकार : विदुर की नीति, व्यसन बुरी बात है। जनता की प्रतिक्रिया रू दारू पीने से पहले अब बजट पढ़ना पड़ेगा। विदुर की नीति समझ में नहीं आई, लेकिन जेब खाली हो गई।

बजट के बाद शेयर बाजार गिरा– जनता की प्रतिक्रिया : संजय, ये दृश्य मत दिखाओ, आंखों में आंसू आ रहे हैं। सरकार के बजट का महाभारत एक दिन का होता है, आम जनता का महाभारत तो रोज का है।

शिक्षा के जरिये रोजगार सृजन की दिशा में कदम

यह बजट शिक्षा से रोजगार तक का एकीकृत मार्ग प्रदान करता है। डिजिटल और तकनीकी कौशल को मुख्यधारा में लाता है। रचनात्मक अर्थव्यवस्था और ऑरेंज इकोनॉमी को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाता है। वैश्विक शिक्षा–अनुभव और रोजगार–सृजन के अवसरों को बढ़ाता है। यह बजट केवल आज के युवाओं के लिए नहीं बल्कि अगले पांच दशक के युवाओं के लिए एक मजबूत आर्थिक ढांचा तैयार कर ...

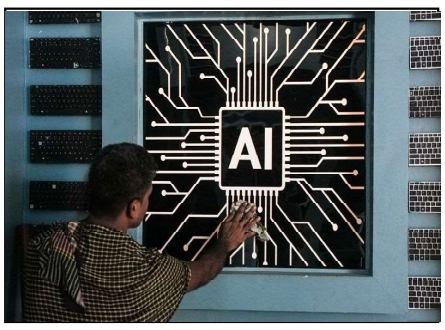

बजट 2026–27 आने वाले भारत की युवा–आधारित आर्थिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। इसमें नयी पीढ़ी की शिक्षा, रोजगार, तकनीकी कौशल और रचनात्मक आकांक्षाओं को केंद्र में रखा गया है। एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट पर जोर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026दृ27 को सरकार 'नेक्स्ट जेनरेशन बजट' कह रही है। यह दावा केवल एक राजनीतिक नारा नहीं लगता, बल्कि बजट के प्रावधानों पर नजर डालने से स्पष्ट होता है कि इसमें जेनरेशन जेड– यानी आज के युवा वर्ग– की शिक्षा, रोजगार, तकनीकी कौशल और रचनात्मक आकांक्षाओं को केंद्र में रखा गया है। आज का युवा सिर्फ नौकरी तलाशने वाला नहीं हैय वह स्किल–ड्रिवन, डिजिटल–नेटिव और क्रिएटिव माइंडसेट के साथ आगे बढ़ना चाहता है। बजट 2026–27 इसी बदले हुए युवा चरित्र को पहचानता है। इस बजट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट पर जोर। सरकार ने शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए एक समग्र रणनीति अपनाई है। कौशल–आधारित शिक्षा, एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) विषयों को बढ़ावा और यूनिवर्सिटी टाउनशिप की अवधारणा इस दिशा में अहम कदम हैं। महत्वपूर्ण है कि केवल डिग्रियां युवाओं को रोजगार नहीं दिला सकतींय उन्हें व्यावहारिक कौशल और उद्योग–अनुकूल प्रशिक्षण की आवश्यकता है। यदि यह योजना जमीनी स्तर पर सही ढंग से लागू होती है तो यह भारत की युवा बेरोजगारी की समस्या को कम करने में निर्णायक साबित हो सकती है। विदेश में पढ़ाई–लिखाई करने वाले छात्रों तथा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा का अनुभव चाहने वालों को राहत देने के लिए, सरकार ने लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत टीसीएस दर को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। इससे विद्यार्थी विदेश शिक्षा–अनुभव को अधिक किफायती रूप से चुन सकेंगे, जिससे तकनीकी तथा ग्लोबल मौके और एक्सपोजर मिलेंगे। बजट में ऑरेंज इकोनॉमी यानी एनिमेशन, गेमिंग, डिजाइन, विजुअल इफेक्ट्स और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता देना जेन जेड के लिए एक बड़ा संदेश है। 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी लैब्स स्थापित करने का प्रस्ताव इस बात का संकेत है कि सरकार अब यूट्यूब, गेमिंग, एनीमेशन और डिजिटल स्टोरीटेलिंग को शौक नहीं, बल्कि कैरियर के रूप में देख रही है। इस कदम का व्यापक लक्ष्य यह है कि भारत 2030 तक लगभग 20 लाख एवीजीसी सेक्टर–विशेषज्ञों की आवश्यकता को पूरा करे, और उसे विश्व–स्तर के डिजिटल क्रिएटिव हब में बदल दे। यह कदम भारत के लाखों क्रिएटिव युवाओं को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग पर दिया गया जोर इस बजट को भविष्य–उन्मुख बनाता है। आज की नौकरियां डेटा, एआई, ऑटोमेशन और डिजिटल सिस्टम्स से जुड़ी हैं।

बजट यह मानता है कि अगर भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रहना है, तो युवाओं को इन्हीं क्षेत्रों में दक्ष बनाना होगा। जेन जेड केवल नौकरी चाहने वाली पीढ़ी नहीं है, बल्कि जॉब क्रिएटर बनने की आकांक्षा भी रखती है। एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए फंडिंग, पूंजीगत व्यय में वृद्धि और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास से नए अवसर पैदा होंगे। इससे युवा उद्यमियों को जोखिम लेने और नवाचार करने का भरोसा मिलेगा। विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स (टीसीएस)में कमी यह दर्शाती है कि सरकार वैश्विक शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर को भी महत्व दे रही है। यह फैसला मध्यम वर्गीय युवाओं के लिए विशेष रूप से राहतकारी है। भारत का युवा वर्ग पहले से ही स्टार्टअप और नवोन्मेष (इनोवेशन) की ओर अग्रसर है कृयह बजट इन्हें संसाधन–समर्थक वातावरण देने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। बजट ने खेलो इंडिया मिशन तथा खेल–इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार से युवाओं के खेल–प्रतिभा विकास को बढ़ावा दिया है। साथ ही पर्यटन और सांस्कृतिक क्षेत्र की डिजिटलाइजेशन तथा पर्यटन–संबंधित कौशल विकास योजनाएं भी युवा रोजगार सृजन को आगे बढ़ाती हैं। कुल मिलाकर, बजट 2026दृ27 केवल आज की जरूरतों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आने वाले भारत की युवा–आधारित आर्थिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह बजट जेन जेड को बोझ नहीं, बल्कि भागीदार मानता है। हालांकि, इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि घोषित योजनाएं कागज से निकलकर जमीन तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचती हैं। यदि क्रियान्वयन मजबूत रहा तो यह बजट सचमुच भारत की अगली पीढ़ी को आत्मनिर्भर, कुशल और ग्लोबल नागरिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हो सकता है।

ऐसे मतभेद और टकराव भारतीय राजनीति में कोई नई बात नहीं है। आज केंद्र में बीजेपी की सरकार है और वह काफी कुछ वैसा ही कर रही है जैसा कांग्रेस ने दशकों तक किया। हम सैकड़ों साल पुरानी ब्रिटिश परंपराओं पर देश को चलाना चाहते हैं, तो पिछले कुछ दशकों की अपनी परंपराओं पर भी नजर डालनी चाहिए। सच यह है कि जब दो विपरीत राजनीतिक विचारों की सरकारें ...

राज्यपालों की भूमिका पर फिर खिंची तलवारें

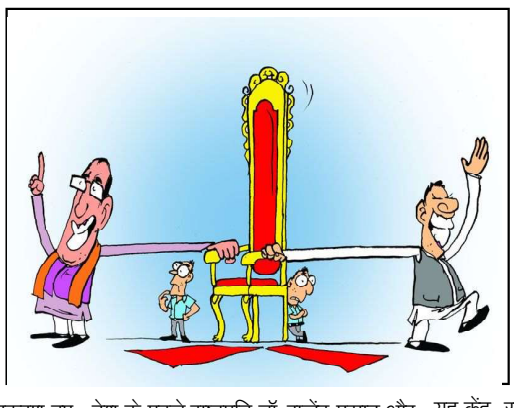

मान लें कि अभिभाषण की प्रथा समाप्त हो जाए, तब क्या यह विरोध खत्म हो जाएगा? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्यपालों द्वारा विधानमंडलों से पास विधेयकों को रोककर रखने के प्रकरण का कोई पक्का समाधान नहीं निकला है। वस्तुतः समस्या संवैधानिक व्यवस्था में नहीं, राजनीतिक संस्कृति में है। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक विधानसभाओं में राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच टकराव की खबरें इस साल भी आई हैं। ऐसा किसी न किसी रूप में पिछले कुछ वर्षों से हो रहा है। वर्तमान टकराव राज्य सरकारों द्वारा तैयार किए गए अभिभाषणों के पढ़ने से जुड़ा है। प्रत्यक्षतः ऐसा अनजाने में नहीं हो रहा है। इन मामलों से जुड़े सभी पक्ष संवैधानिक व्यवस्थाओं और उनसे जुड़ी मर्यादा–रेखाओं से भली भांति परिचित हैं। राज्यपाल जानते–समझते हैं और राज्य सरकारें भी। तब ऐसा क्यों होता है? इन राज्यों में मुख्यमंत्री और राज्यपालों के रिश्ते काफी समय से तनावपूर्ण रहे हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कई बार स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर होने वाले राज्यपालों के 'एट होम' कार्यक्रमों का बहिष्कार कर चुके हैं। मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों के बीच सीधा संवाद बहुत कम है। इस वक्त तो चुनाव करीब हैं, इसलिए माहौल में वैसे ही गर्मी भरी है। दक्षिण के जिन तीन राज्यों में विवाद खड़े हुए हैं, उनमें इंडिया गठबंधन का हिस्सा रही पार्टियों की सरकारें हैं, जो भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार के विरोध में हैं। ऐसे विवाद होते ही तभी हैं, जब केंद्र और राज्य की सरकारों का आपसी विरोध हो। बंगाल और पंजाब में भी इससे मिलते–जुलते प्रकरण हुए हैं। राज्यपालों या राष्ट्रपति के लिए निर्वाचित सरकारों द्वारा तैयार किए गए भाषणों या विशेष संबोधनों को हूबहू पढ़ना एक संवैधानिक परंपरा है। यह ब्रिटिश परंपरा है, जिस पर आधारित भारत की संसदीय प्रणाली में भी उन्हीं परंपराओं के पालन की उम्मीद की जाती है। ऐसा कभी नहीं हुआ, जब ब्रिटिश राजा या रानी ने आधिकारिक भाषण को लेकर ना–नुकुर की हो। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बीच बहुत से मामलों में मतभेद थे, पर उन्होंने ऐसा कभी कुछ नहीं किया, जिससे संसदीय मर्यादा भंग हो। पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन ने 1998 के गणतंत्र दिवस संबोधन में कुछ बदलाव किया था। कुछ दूसरे मौकों पर भी उन्होंने प्रस्तावित मसौदों में संशोधन किए थे, ताकि भाषण का स्वर और संदेश उनके विचारों के अनुरूप हो। ऐसे मौके संसद से बाहर के वक्तव्यों में ज्यादा देखे गए। उनके दृष्टिकोण और अब हो रहे टकराव में फर्क है। अब इसने राजनीतिक टकराव की शक्ल ले ली है। मसलन कर्नाटक के प्रसंग को देखें, जहां राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गत 22 जनवरी को विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए सरकार के तैयार भाषण की केवल तीन लाइन ही पढ़ीं और सदन से बाहर चले गए। गहलोत के इस कार्य को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने असंवैधानिक बताते हुए कहा, संविधान के अनुच्छेद 176 और 163 के तहत राज्यपाल को मंत्रिमंडल की ओर से तैयार पूरा भाषण पढ़ना चाहिए। उधर राज्यपाल गहलोत सरकार के तैयार भाषण के पैरा नंबर 11 पर नाराज थे, जिसमें इनमें लिखा है कि केंद्र सरकार ने यूपीए काल में शुरू की गई मनरेगा योजना को कमजोर किया है। उसका बजट घटाया है, जिससे ग्रामीण रोजगार प्रभावित हुआ है। वस्तुतः यह केंद्र–राज्य संबंधों का महत्त्वपूर्ण पहलू है। सवाल है कि राज्य सरकारों के पास असहमति व्यक्त करने का क्या यही रास्ता बचा है? और क्या राज्यपालों के पास अपने विवेक का इस्तेमाल करने का अधिकार है? सवाल यह भी है कि क्या राज्य सरकारों को संवैधानिक रूप से सीधे राज्यपाल के माध्यम से केंद्र की आलोचना करनी चाहिए? आखिरकार राज्यपाल केंद्र द्वारा नियुक्त संवैधानिक पद है। उसे राज्य में केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में देखा जाता है, न कि राज्य सरकार के प्रवक्ता के रूप में। पर क्या केंद्र सरकार को उनके माध्यम से राज्य सरकारों पर दबाव बनाना चाहिए? तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के साथ लगातार टकराव चलने के कारण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानमंडल के पहले सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने का समर्थन किया है। देश के आठवें राष्ट्रपति (1987–1992) आर वेंकटरमण ने राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधायिका के समक्ष पारंपरिक अभिभाषण की प्रथा को समाप्त करने की सिफारिश कई बार की थी। वे इस औपनिवेशिक प्रथा को अनावश्यक और असंवैधानिक मानते थे। फरवरी 1988 में संसद में अपना पहला अभिभाषण देने से पहले उन्होंने सरकार को सुझाव दिया था कि 'मेरी सरकार' के स्थान पर 'सरकार' शब्द का प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा, यह प्रथा ब्रिटिश विरासत का हिस्सा है और भारत में प्रासंगिक नहीं है। भारत का संविधान स्वयं जनता द्वारा संविधान सभा के माध्यम से बनाया गया था। ऐसे में देश के राष्ट्रपति द्वारा 'मेरी सरकार' कहना 'अनुचित' है। इस व्यवस्था को समाप्त करने से कोई नुकसान नहीं होने वाला है, क्योंकि अनुच्छेद 86 और 175 के तहत राष्ट्रपति और राज्यपालों के पास विधायिका को संबोधित करने का अधिकार तब भी बना रहेगा। अतीत में कई राजनेताओं ने राज्यपाल का पद ही खत्म करने का सुझाव दिया है। थोड़ी देर के लिए मान लें कि अभिभाषण की प्रथा समाप्त हो जाए, तब क्या यह विरोध खत्म हो जाएगा? सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्यपालों द्वारा विधानमंडलों से पास विधेयकों को रोककर रखने के प्रकरण का कोई पक्का समाधान नहीं निकला है। वस्तुतः समस्या संवैधानिक व्यवस्था में नहीं, हमारी राजनीतिक–संस्कृति में है।

भारत की गोल्डन गर्ल, जिसका 100मी नेशनल रिकार्ड आज भी है अटूट

स्टार फर्राटा धावक दुती चंद आज यानी की 03 फरवरी को अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। वह इटली में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। हालांकि उनका यह सफर इतना भी आसान नहीं रहा है। वह एक समलैंगिक हैं, इस बात के खुलासा होने पर उनको जमकर विरोध का सामना करना पड़ा था। वहीं उनके परिवार ने भी इसका विरोध किया था। दुती चंद के दौड़ने के जुनून ने भारत को इतना आगे पहुंचाया, जिसके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर भारतीय एथलीट दुती चंद के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार: ओडिशा के जाजपुर जिले में 03 फरवरी 1996 को दुती चंद का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम चक्रधर था और मां का नाम अखूजी था। वह बेहद साधारण परिवार से ताल्लकु रखती थीं।

उन्होंने अपना बचपन गरीबी में बिताया था। दुती चंद को अपने बड़ी बहन सरस्वती से धाविका बनने की प्रेरणा मिली थी। दुती चंद की बड़ी बहन सरस्वती राज्य स्तर की धाविका रह चुकी हैं।

राष्ट्रीय चैंपियन: दुती चंद झील के किनारे दौड़ की प्रैक्टिस करती थीं। लेकिन वह साल 2012 में चर्चा में आईं, जब दुती चंद ने 100 मीटर स्पर्धा में अंडर–18 वर्ग में राष्ट्रीय चौंपियन बनीं। इसके बाद साल 2013 में दुती चंद ने एशियाई एथलेटिक्स चौंपियनशिप, वर्ल्ड यूथ चौंपियनशिप और रांची में हुए नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप उन्होंने अपनी अद्भुत प्रतिभा से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

उपलब्धियां: दुती चंद के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि साल 2013 में मिली थी। दरअसल, इटली के नेपल्स में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सियाड में 100 मीटर इवेंट में दुती चंद ने गोल्ड मेडल हासिल करके इतिहास रचा। ऐसा करने वाली दुती चंद पहली भारतीय महिला धाविका बनी थीं। उनके द्वारा महिला 100 मीटर दौड़ में बनाया गया नेशनल रिकॉर्ड आज तक अटूट है। साल 2016 के रियो ओलंपिक का उन्होंने टिकट हासिल किया था। ऐसा करने वाली दुती चंद महिलाओं के 100 मीटर में भाग लेने वाली देश की 5वीं एथलीट बनीं थी।

फिर साल 2018 में जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में दुती चंद ने दो पदक हासिल किए थे। इनमें से महिलाओं के 100 मीटर फाइनल में रजत पदक काफी अहम रहा। पीटी उषा के बाद दो दशक के बाद यह पदक किसी ने दिलाया। महिलाओं के 200 मीटर के फाइनल में जीत हासिल की और वह 16 बाद सरस्वती साहा के बाद गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय बनीं।

विवाद: साल 2014 में दुती चंद कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी कर रही थीं। लेकिन आखिरी समय में उनको एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा अयोग्य करार दे दिया गया। दुती को हाइपरएंड्रोजेनिज्म के कारण महिला एथलीट के रूप पर किसी भी इवेंट में भाग लेने पर रोक लगा दिया गया। हालांकि लंबी लड़ाई लड़ने के बाद साल 2015 में कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में अपील करने के बाद दुती चंद पर लगाया गया प्रतिबंध हटाने का फैसला लिया गया।

भारत–पाकिस्तान महामुकाबले पर सियासी संकट, नॉकआउट मैच भी हो सकता है रद्द

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार के अपने बोर्ड सरकारी निर्देशों का पालन करेगा। सूत्र ने बताया कि सरकार ने बोर्ड को सूचित कर दिया है कि राष्ट्रीय टीम 15 फरवरी को भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी

सरकारी फैसले पर चुप्पी साध रखी है। वहीं, एक विश्वसनीय सूत्र ने स्वीकार किया कि शीर्ष स्तर से आ रहे निर्देशों का पालन करने के अलावा पीसीबी के पास कोई विकल्प नहीं है। इस घटनाक्रम के बीच, राष्ट्रीय टीम 7 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अपने बाकी मैच खेलने के लिए कोलंबो रवाना हो गई। पीसीबी के एक शीर्ष सूत्र ने कहा कि अगर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण के दौरान कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ कोई और मैच निर्धारित होता है, तो और विश्व कप में अंक गंवा देगी। यदि पाकिस्तान को नॉकआउट चरण में भारत के खिलाफ खेलना पड़ता है, तो उस समय सरकार द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का बोर्ड पालन करेगा। यदि भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का निर्णय वापस नहीं लिया जाता है, तो पाकिस्तान का अभियान 7 फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ शुरू होगा, इसके बाद 10 फरवरी को अमेरिका और 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच होंगे।

वहीं, बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सोमवार को कहा कि टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच के बहिष्कार के गंभीर परिणाम की पाकिस्तान को चेतावनी देकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने सही किया। पाकिस्तान के फैसले की जानकारी आधिकारिक सरकारी बयान के मार्फत मिली जिसे टूर्नामेंट से बांग्लादेश को बाहर किये जाने के राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जा रहा है। आईसीसी ने सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका में कराने से इनकार किया था। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेता दिया है कि इस मैच के बहिष्कार के गंभीर परिणाम हो सकते हैं और यह फैसला खेल के हित में नहीं है।

शुक्ला ने पत्रकारों से कहा कि आईसीसी ने इस मामले पर बड़ा बयान दे दिया है। इसमें खेल भावना की अहमियत को बताया गया है। हम आईसीसी से सहमत हैं। जब तक आईसीसी से बात नहीं हो जाती, बीसीसीआई कोई बयान नहीं देगा। विवाद की शुरूआत बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर आईपीएल से बाहर करने के फैसले के बाद हुई। इसके बाद बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से भारत आने से इनकार कर दिया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह शर्मनाक है कि दोनों तरफ खेल का राजनीतिकरण हो रहा है। मुझे नहीं लगता कि मुस्ताफिजुर का कोलकाता में खेलने का करार रद्द किया जाना चाहिये था। यह राजनीति का दुर्भाग्यपूर्ण दखल है।

क्या दूसरी आजादी का सपना होगा पूरा? शेख हसीना के निर्वासन के बाद सबसे बड़े चुनाव पर एक नजर

बांग्लादेश अपने स्वतंत्रता काल के बाद से सबसे महत्वपूर्ण चुनावों में से एक के लिए बस कुछ ही दिन दूर है, क्योंकि देश अपने अगले प्रधानमंत्री और सरकार के चयन के लिए राष्ट्रव्यापी मतदान की तैयारी कर रहा है। यह मतदान अगस्त 2024 के जन विद्रोह की पृष्ठभूमि में हो रहा है – जिसका नेतृत्व मुख्य रूप से छात्रों ने किया था – जिसके परिणामस्वरूप लगभग डेढ़ दशक के शासन के बाद शेख हसीना की सरकार का नाटकीय रूप से पतन हो गया और एक अंतरिम प्रशासन का गठन हुआ। देश के भीतर अक्सर इसे दूसरी स्वतंत्रता के रूप में वर्णित किया जाता है, इस आंदोलन ने बांग्लादेश को मौलिक रूप से नया आकार दिया है, जिससे शासन, जवाबदेही और लोकतांत्रिक वैधता के बारे में गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

मतदान कब और कैसे होगा?

बांग्लादेश निर्वाचन आयोग ने 12 फरवरी, 2026 (गुरुवार) को मतदान दिवस के रूप में पुष्टि की है। कड़े नियंत्रण वाले प्रचार अभियान के बाद मतदाता मतदान केंद्रों की ओर रवाना होंगे। नामांकन प्रक्रिया औपचारिक रूप से 29 दिसंबर, 2025 को समाप्त हुई, जिसके बाद 22 जनवरी, 2026 को आधिकारिक तौर पर प्रचार अभियान शुरू हुआ। चुनावी कानून के अनुसार, सभी राजनीतिक प्रचार

अभियान 10 फरवरी को शाम 4रू30 बजे तक समाप्त होने चाहिए, जिससे मतदान से पहले 48 घंटे का शांति काल (कूलिंग–ऑफ पीरियड) सुनिश्चित हो सके। चुनाव दिवस पर मतदान का समय सुबह 7रू30 बजे से शाम 4रू30 बजे तक रहेगा, जो पिछले चुनावों की तुलना में एक घंटा अधिक है।

रहमान के 65 उम्मीदवारों के पर्चे रद्द करने की तैयारी

बांग्लादेश का चुनाव अब सत्ता में श्परिवर्तनश से ज्यादा श्क्षेत्रीय संतुलनश का जरिया बनता दिख रहा है। चुनावी प्रक्रिया में अमेरिका और तुर्किये की दखलंदाजी की खबरों के बीच बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान के खिलाफ साजिश की आशंका जताई है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के 65 उम्मीदवारों के नामांकन लोन डिफॉल्ट और दोहरी नागरिकता के आधार पर खारिज किए जाने की तैयारी है। ऐसा हुआ तो चुनाव एकतरफा हो जाएगा। बीएनपी के आरोप ऐसे वक्त में सामने आए हैं, जब हाल ही खुलासा हुआ है कि अमेरिका जमात–ए– इस्लामी को चुनाव में जिताने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिकी वेबसाइट श्द इंटरसेप्टश ने दावा किया है कि अमेरिकी विदेश विभाग दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय संतुलन के लिए जमात को उदार इस्लामी पार्टी मानकर मदद कर रहा है। इस बीच, बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के बेटे और अवामी लीग के नेता साजिब वाजेद जॉय सोमवार को कोलकाता में एक रैली को संबोधित करेंगे।

78 सीटों पर बागियों से कड़ी टक्कर भी मिल रही, वोट बंटने का डर

बीएनपी देशभर में लोकप्रियता के बावजूद चुनावी दौड़ में पिछड़ती नजर आ रही है। बीएनपी की चुनावी तैयारियों को पार्टी प्रमुख खालिदा जिया के निधन से भी बड़ा झटका लगा है। इससे पार्टी की जमीनी गतिविधियां प्रभावित हुई। बीएनपी ने सबसे ज्यादा 288 तारिक रहमान उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें से 4 की उम्मीदवारी रद्द हो चुकी है। 78 सीटों पर बागी उम्मीदवार भी मैदान में हैं, जिनमें से 46 को स्थानीय कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है। इससे बीएनपी का वोट बैंक बंटने का खतरा है, जिसका फायदा जमात को मिल सकता है।

ट्रंप के आगे खामनेई का सरेंडर! न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने पर ग्रीन सिग्नल? यूएस से डील के लिए तेहरान ने बदला अपना रुख

ईरान और अमेरिका के बीच तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए सहमति की खबरों के बीच, ईरानी अधिकारियों का कहना है कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए तेहरान अपना परमाणु कार्यक्रम निलंबित या बंद कर सकता है। यह वाशिंगटन के साथ किसी भी समझौते में यूरेनियम संवर्धन को रोकने से इनकार करने के ईरान के निरंतर रुख के बिल्कुल विपरीत है। अधिकारियों ने न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) को बताया कि ट्रंप द्वारा हमले की धमकियों के मद्देनजर अमेरिका के साथ तनाव कम करने के लिए तेहरान अपने मौजूदा रुख से पीछे हटने को तैयार है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले साल अमेरिका द्वारा इजरायल के साथ 12 दिनों के युद्ध और वाशिंगटन द्वारा उसके परमाणु संयंत्रों पर हमले से पहले पेश किया गया वैकल्पिक प्रस्ताव कहीं अधिक व्यवहार्य विकल्प होगा। इस प्रस्ताव के अनुसार, परमाणु ऊर्जा का उपयोग करके बिजली उत्पादन के लिए एक संघ बनाया जाएगा, जिसमें यूरेनियम संवर्धन ईरान के बाहर किया जाएगा। बीते कुछ हफ्तों से वह ईरानी जनता को चेतावनी दे रहे थे कि देश में हालात उनके नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं। यह बयान इस बात का भी संकेत देता है कि उन्हें अमेरिका के साथ बातचीत के लिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई का समर्थन मिला है, जिन्होंने पहले ऐसे किसी भी संवाद को खारिज कर दिया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान और अमेरिका किसी समझौते तक पहुंच पाएंगे या नहीं, खासकर इसलिए क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत की किसी भी प्रक्रिया में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी प्रमुख मांगों में शामिल कर रखा है।

ट्रंप ने जून में इजराइल द्वारा शुरू किए गए 12 दिवसीय युद्ध के दौरान ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के आदेश दिए थे। पेजेशकियान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अंग्रेजी और फारसी में लिखा कि यह फैसला ''क्षेत्र के मित्र देशों की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति के बातचीत के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध'' पर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया है कि यदि उपयुक्त माहौल हो यानी धमकियों और अनुचित अपेक्षाओं से मुक्त वातावरण, तो वह गरिमा, विवेक और दूरदर्शिता के सिद्धांतों के अनुरूप तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत को आगे बढ़ाएं।'अमेरिका ने अभी यह स्वीकार नहीं किया है कि इस तरह की कोई बातचीत होने जा रही है।

राकेश कर्रा ने की एसआईआर कार्य में तेजी लाने की अपील

बाराबंकी। सदर विधानसभा क्षेत्र के देवा मंडल में गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को लेकर भाजपा बूथ स्तर पर सक्रिय है। इस क्रम में बूथ संख्या 30, ग्राम कुरखिला में बूथ अध्यक्ष राममिलन गुप्ता के आवास पर और बूथ संख्या 24 व 25 पर बूथ अध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा के आवास पर बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में मतदाता पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई। पात्र नागरिकों से फॉर्म–6 भरवाए गए ताकि वे अपनी लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। कार्यक्रम के दौरान सदर विधानसभा से प्रबल दावेदार माने जा रहे वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश कर्रा भी उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने अभियान को और बल दिया। भाजपा नेता राकेश वर्मा कर्रा ने छूटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने और नए मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम जुड़ना आवश्यक है और यही संगठन का संकल्प है। कार्यकर्ताओं से अपील की है कि पार्टी द्वारा एसआईआर अभियान के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने–अपने बूथों पर सक्रिय रहकर अधिक से अधिक फार्म–6 भरवाकर जमा कराएं। वहीं कार्यकर्ताओं ने बताया कि मतदाता सूची को सशक्त और त्रुटिरहित बनाना भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिकता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सके। अभियान के तहत नए मतदाताओं, युवाओं और वंचित वर्गों को मतदाता सूची से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर शक्ति केंद्र संयोजक सुधांशु तिवारी, कुलदीप वर्मा, जितेंद्र मौर्य, चेतराम मौर्य, शिवगोपाल मिश्र सहित कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता और सम्मानित जन मौजूद रहे।

कनाडा में 19 साल का लड़का बना Shooter, Extortion के लिए घर पर बरसाईं गोलियां, 2 और गिरफ्तार

कनाडा में एक किशोर सहित तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है और उन पर एक घर पर जबरन वसूली के उद्देश्य से कई गोलियां चलाने की घटना के संबंध में आरोप लगाए गए हैं। तीनों को रविवार तड़के गिरफ्तार किया गया और सोमवार को उनके नाम और तस्वीरें जारी की गईं, जिसके बाद उनके खिलाफ आरोप दायर किए गए। उनकी पहचान 21 वर्षीय हरजोत सिंह, 19 वर्षीय तरनवीर सिंह और 21 वर्षीय दयाजीत सिंह बिलिंग के रूप में हुई है। तीनों पर किसी स्थान पर गोली चलाने का एक मामला दर्ज किया गया है। उन्हें शुक्रवार तक हिरासत में भेज दिया गया है और पुलिस ने कहा कि चूंकि वे विदेशी नागरिक हैं, इसलिए कनाडा सीमा सेवा एजेंसी (सीबीएसए) को भी इस मामले में शामिल किया गया है। रविवार

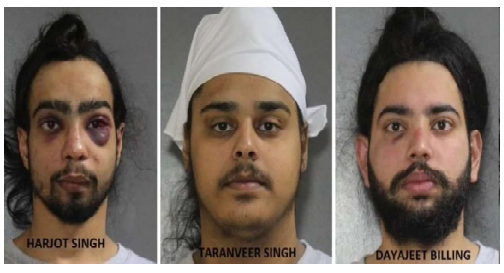

को सुबह 4 बजे से ठीक पहले, ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में स्थानीय पुलिस अधिकारी एक मोहल्ले में गश्त कर रहे थे, तभी इलाके में एक घर के बाहर गोलीबारी और छोटी–मोटी आग लगने की खबरें आईं।

सरे पुलिस सेवा, लोअर मेनलैंड डिस्ट्रिक्ट इंटीग्रेटेड पुलिस डॉग सर्विस और डेल्टा पुलिस विभाग के अधिकारी सहायता के लिए मौके पर पहुंचे। इलाके में मौजूद एसपीएस अधिकारियों ने पास में ही एक संदिग्ध वाहन को देखा, जिस पर सवार लोग पैदल भाग गए। सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में एसपीएस ने बताया कि कुछ ही समय बाद तीन संदिग्धों को एक राइडशेयर वाहन में सवार होने के बाद हिरासत में ले लिया गया। सरे फायर सर्विस के कर्मचारियों ने संपत्ति की बाड़ के पास लगी छोटी सी आग को बुझा दिया। आग से घर को कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, उस समय घर में लोग मौजूद थे और गोलीबारी से घर को नुकसान पहुंचने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने बताया कि इस घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

ब्रिटिश कोलंबिया के लोअर मेनलाइन क्षेत्र के साथ–साथ सरे में जबरन वसूली के मामलों में हुई वृद्धि के बाद शुरू की गई श्प्रोजेक्ट एश्योरेंसश पहल के तहत पुलिस इलाके में गश्त कर रही थी। पिछले ही हफ्ते, जबरन वसूली से जुड़े एक गोलीबारी मामले में सरे में दो अन्य भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। 20 वर्षीय हर्षदीप सिंह पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने और यह जानते हुए वाहन में सवार होने का आरोप लगाया गया कि उसमें हथियार मौजूद है, वहीं 21 वर्षीय हंसप्रीत सिंह पर यह जानते हुए वाहन में सवार होने का आरोप लगाया गया कि उसमें हथियार मौजूद है।

इतिहास में पहली बार, 12 महीने में 5 Trade Deals, क्यों हिंदुस्तान संग बिजनेस करने को आतुर है दुनिया

भारत के आर्थिक इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कुछ ही दिनों में देश ने दो बड़े–बड़े व्यापारिक समझौते कर लिए हैं। पूरे साल की बात करें तो भारत ने कुल पांच प्रमुख ट्रेड डील साइन की हैं, और इन समझौतों वाले देशों की मिली–जुली जीडीपी दुनिया की कुल जीडीपी का 50: से भी ज्यादा है। सबसे नई और ताजा डील अमेरिका के साथ हुई है, जो पिछले कुछ महीनों से दोनों देशों के बीच तनाव और टैरिफ की वजह से चर्चा में बनी हुई थी। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है, जहां पिछले वित्त वर्ष (2025) में भारत के कुल निर्यात का करीब 20: माल गया और हमारे आयात में उनकी हिस्सेदारी 6.3: रही। वर्ष 2014 से अब तक भारत ने आठ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप दिया है। भारत ने पिछले कुछ वर्ष में 37 विकसित देशों के साथ आठ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिया है। दूसरी तरफ भारत चिली, पेरू और कनाडा सहित कई देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। चिली के साथ व्यापार वार्ता लगभग अंतिम चरण में है जहां भारत के

महत्वपूर्ण खनिजों में हित हैं। पश्चिम एशिया क्षेत्र के छह देशों के समूह जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषदने) भी भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की है।

हर कोई भारत के साथ बिजनेस क्यों करना चाहता है?: दुनिया में कई बड़े देश आजकल मंदी या परेशानी में हैं, लेकिन भारत लगातार 7: की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। यहाँ सब कुछ काफी स्थिर और भरोसेमंद है। भारत में 140 करोड़ लोग हैं और इनमें से बहुत सारे लोग अब मध्यम वर्ग के हैं दृ यानी उनके पास पैसे हैं, वे सामान खरीदते हैं। दुनिया की हर बड़ी कंपनी के लिए यह सबसे अच्छा ग्राहक आधार है। कई कंपनियां अब चीन में फैक्ट्री चलाने की जगह दूसरा देश ढूंढ रही हैं। भारत अपनी PLI स्कीम (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) के जरिए उन्हें अच्छी सुविधाएं और मदद दे रहा है। भारत के पास दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी है। साथ ही डिजिटल पेमेंट, इंटरनेट और टेक्नोलॉजी में भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसीलिए आजकल लगभग हर देश और हर बड़ी कंपनी भारत से जुड़ना चाहती है। और भी गुड न्यूज आ सकती हैः आने वाले वर्ष में भारत के लिए निश्चित रूप से और भी कई अच्छी खबरें सुनने को मिलेंगी। भारत एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी बनेगा। व्यापार समझौतों के तहत, दो या दो से अधिक राष्ट्र अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर आयात शुल्क या तो समाप्त कर देते हैं या कम कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए नियमों में ढील भी देते हैं।

परिवार नियोजन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। पयागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में आशा

कार्यकर्ताओं के लिए परिवार नियोजन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण मोबियस फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से उम्मीद परियोजना के अंतर्गत पापुलेशन फाउंडेशन इंडिया द्वारा आयोजित किया गया।प्रशिक्षण की शुरुआत अधीक्षक डॉ धीरेन्द्र तिवारी सीएचसी पयागपुर ने आशाओं को परिवार नियोजन के महत्व, वर्तमान परिदृश्य और सरकारी श्बास्केट ऑफ चॉइसश में उपलब्ध साधनों के बारे में जानकारी दी। बीपीएम अनुपम शुक्ल ने आशा कार्यकर्ताओं से समुदाय को परिवार नियोजन सेवाओं के लिए अधिक से अधिक प्रेरित करने और परामर्श के महत्व पर जोर दिया। श्बास्केट ऑफ चॉइसश, अंतरा, और परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थायी साधनों पर विशेष जानकारी प्रदान की।साथ ही प्रदान की जा रही सेवाओं को एफपीएलएमआईएस ऐप पर अवश्य दर्ज किया जाए। प्रशिक्षक चन्द्रेश्वर पाठक और जुगुल किशोर चौबे ने परिवार नियोजन की विभिन्न विधियों, उपयोग किए जाने वाले साधनों के सही समय, प्रभाव, गर्भधारण का समय और उचित अंतराल पर विस्तृत जानकारी दी। पापुलेशन फाउंडेशन की प्रतिनिधि डॉ. सफिया जमीर ने बताया कि स्वास्थ्य क्षेत्र पयागपुर में कार्यरत सभी 232आशा और 40 एएनएम का दूसरे चरण में बैच–वार प्रशिक्षण कराया गया है। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण का पांचवा और अंतिम बैच का प्रशिक्षण आज सम्पन्न हो गया है । इस दौरान आशाओं को क्षेत्र में वितरण हेतु शगुन किट एवं परिवार नियोजन सामग्री वितरण किया गया प्रशिक्षण कार्यशाला में एएनएम एलएचवी संगिनी और आशाएं उपस्थित रहे।

इननोवेट उत्तर प्रदेश आइडिया एवं प्रोटोटाइप प्रतियोगिता राजकीय इंटर कॉलेज रमपुरवा में की गई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। Valeur FebteÛ Pvt- Ltd- द्वारा आयोजित "Innovate Uttar Pradesh – Idea &

Prototype Competition" के अंतर्गत आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में राजकीय इंटर कॉलेज, रमपुरवा बहराइच के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय उपविजेता (Second Runner&Up) का सम्मान प्राप्त कर जिले एवं विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की छात्रा मुस्कान (कक्षा 10) तथा छात्र प्रीतम (कक्षा 7) एवं राम हर्ष श्रीवास्तव द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित "ऑटोमैटिक फ्लड कंट्रोल सिस्टम" परियोजना को नवाचार, उपयोगिता एवं सामाजिक महत्व के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा विशेष सराहना प्रदान की गई। यह परियोजना बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में सहायक सिद्ध हो सकती है। इस सफल परियोजना का निर्माण विद्यार्थियों द्वारा अनिल कुमार, प्रवक्ता (अर्थशास्त्र) के मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप में किया गया। उनकी प्रेरणा एवं तकनीकी सहयोग से विद्यार्थियों ने सीमित संसाधनों में भी उत्कृष्ट नवाचार प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ अमित कुमार पांडेय एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ छात्रों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं समस्या समाधान की क्षमता को विकसित करती हैं।विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शक को इस उल्लेखनीय सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

निपुण आंकलन का विद्यालय में हुआ सफल आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। तेजवापुर ब्लाक में स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय रामहर्षपुरवा में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत निपुण आंकलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया

गया। इस आंकलन का मुख्य उद्देश्य कक्षा 1 से 2 तक के विद्यार्थियों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता (थ्स्छ) का आकलन करना रहा। आंकलन के दौरान विद्यार्थियों की पढ़ने, लिखने और गणितीय समझ से संबंधित गतिविधियों के माध्यम से उनकी सीखने की स्थिति का मूल्यांकन किया गया। विद्यालय के शिक्षकों ने पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ आंकलन प्रक्रिया को संपन्न कराया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवधेश गुप्ता ने बताया कि निपुण आंकलन से बच्चों की शैक्षिक प्रगति को समझने में मदद मिलती है तथा शिक्षण कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने निपुण भारत मिशन को शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षामित्र एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निपुण आंक लन का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

मतदाता सुविधा बढ़ाने के निर्देश, सहायता केंद्रों के प्रचार-प्रसार पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष

प्रगाढ़ पुनरीक्षणद्2026 के तहत प्रदेशभर के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मतदान केंद्र/भवन के निकट ऐसा सहायता केंद्र बनाया जाएगा, जिसे मतदाता आसानी से पहचान सकें।इसके लिए स्पष्ट बैनर भी लगाए जाएंगे। मतदाताओं की सुविधा हेतु बूथ लेवल अधिकारी (ठस्) प्रत्येक कार्य दिवस में पूर्वाह्न 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक सहायता केंद्र पर उपस्थित रहेंगे, ताकि दावे और आपत्तियाँ दर्ज कराई जा सकें।मतदाता सहायता केंद्र पर संबंधित मतदान केंद्र की 06 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य निर्वाचक नामावली उपलब्ध रहेगी, जिससे मतदाता अपना नाम सूची में खोज सकें। साथ ही इस पूरी व्यवस्था का प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारियों को इन कार्यवाहियों का सतत पर्यवेक्षण करने तथा सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों सहित संबंधित कर्मियों को निर्देशों से अवगत कराते हुए समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा गया है।

अधिवक्ताओं ने तहसील में व्यस्त खामियों को लेकर बैठे धरने पर,आश्वासन के बाद धरना खत्म

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में तहसील में व्यस्त भ्रष्टाचार पर अधिवक्ताओं ने कसी कमर

बैठ गये धरने पर डीएम पर भी अन्देखी का लगाया आरोप।प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर तहसील के मुख्यद्वार पर सोमवार सुबह अधिवक्ताओं ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गये। लेकिन शाम को लिखित आश्वासन के बाद वकीलों का आंदोलन समाप्त हुआ। चर्चा के मुताबिक अधिवक्ता सचिन मिश्र ने डीएम को भेजे गए पत्र आरोप लगाया कि गृह क्षेत्रों में लेखपालों की तैनाती के बावजूद लाभार्थियों का नाम खतौनी में दर्ज नहीं किया जा रहा है।पट्टा आवंटन में देरी हो रही है और प्रकरणों एवं वादों के निस्तारण में देरी जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। अधिवक्ताओं के धरने पर बैठते ही शाम को अतिरिक्त उपजिलाधिकारी जितेंद्र गौतम ने अधिवक्ताओं की 10 मांगों पर लिखित आश्वासन दिया और कहा कि 15 दिन में सभी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। इसके बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, बिंदेश्वरी प्रसाद दुबे, सिविल बार एसोसिएशन के महामंत्री गौरीशंकर चतुर्वेदी, रितेश यादव, रमेश प्रताप सिंह सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

डॉ0 अशोक पाण्डेय को मिला गुलशन कोमिला श्री हुलसी सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। गोस्वामी तुलसीदास के ननिहाल दहौरा में माघी पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर आयोजित कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में सनातन धर्म परिषद के संस्थापक डॉ0 स्वामी भगवदाचार्य ने डॉ0 अशोक गुलशन को श्री हुलसी सम्मान से सम्मानित किया। बलरामपुर के पिपरा एकडंगा गाँव में 25 जून 1963 में जन्मे और प्राथमिक विद्यालय अल्लीपुर बुजुर्ग तथा कटरा में प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात डॉ0 गुलशन गोण्डा और इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण कर आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में नियुक्त होकर 2 वर्ष पूर्व क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त होकर चिकित्सा, साहित्य तथा समाज सेवा में निरन्तर संलग्नरत हैं।साहित्य सेवा हेतु उन्हें अब तक विभिन्न देशों की संस्थाओं से 833 तथा चिकित्सा एवं समाजसेवा हेतु 1852 सम्मान, पुरस्कार, उपाधियाँ प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। 26 प्रकाशित पुस्तकों के रचयिता डॉ0 गुलशन द्वारा 10 प्रकार के 57 वर्ल्ड रिकार्ड बनाए जा चुके हैं जिसे लिम्का बुक, वर्ल्ड बुक आदि में सम्मिलित किया गया है।11 संकलनों के संपादक डॉ0 गुलशन की रचनाधर्मिता एवं उनके साहित्य में योगदान पर लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा एम0फिल0 हुई है तथा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पीएच0 डी0 के शोध ग्रन्थ में उनकी छोटी बहर की ग़ज़ल सम्मिलित की गई है। एन0सी0सी0, स्काउट, रोवर रेंजर फोर्स तथा एन0एस0एस0 में सक्रिय रूप से प्रतिभागी रहे डॉ0 गुलशन इंडोनेशिया, थाईलैंड, भूटान तथा काठमांडू के साहित्यिक समारोहों में प्रतिभाग कर चुके हैं और साहित्य के क्षेत्र में उन्हें 42 देशों की संस्थाओं से सम्मानित किया जा चुका है जिनमें 19 देशों से 28 ऑनरेरी डॉक्टरेट एवं 4 डी0लिट0, 5 देशों से 9 अंतरराष्ट्रीय सम्मान, 7 राज्यों से 13 राष्ट्रीय सम्मान, 12 देशों से 30 डिप्लोमा , इंडोनेशिया से बैचलर ऑफ साइंस, मास्टर ऑफ साइंस, यमन से डिग्री ऑफ कल्चरल डिप्लोमेसी, 13 देशों से 113 उपाधियाँ, 418 सम्मान, पुरस्कार तथा 215 प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं।

पुल की मरम्मत होने से पहले पीपे का पुल का हो निर्माण, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कार्यवाही की की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। घाघराघाट स्थित संजय सेतु को मरम्मत के लिए बन्द किए जाने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था के लिए एक पीपे का पुल बनाने की मांग को लेकर सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की है। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मी नरायन यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आयुक्त देवीपाटन मण्डल, जिलाधिकारी बहराइच को पत्र भेजकर कहा है कि बहराइच, श्रावस्ती, गोण्डा, बलरामपुर और पडोसी देश नेपाल के हजारों वाहन प्रतिदिन इस पुल से गुजरते हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ आने जाने वाले व्यापारी, अधिवक्ता, छात्र, किसान तथा

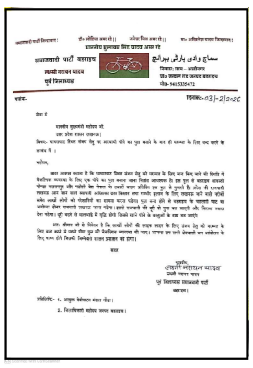

गम्भीर इलाज के लिए लखनऊ जाने वाले मरीजों समेत लाखों लोग इसी पुल से लखनऊ समेत अन्य शहरों की यात्रा करते है। पुल बन्द होने से लखनऊ जाने के लिए चहलारी घाट या अयोध्या होकर राजधानी लखनऊ का सफर करना पडेगा। इससे राजधानी लखनऊ की दूरी बढ जाएगी।इससे किराया महंगा होगा और मालभाड़े में वृद्धि होगी, जिससे खाने पीने के वस्तुओं के दाम बढ जाएंगे। यादव ने मांग की है कि मरम्मत के लिए संजय सेतु बन्द करने से पहले पीपे का पुल बनवाया जाए,जिससे पूर्व की भांति यातायात व्यवस्था बहाल रहे।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश तिथियाँ बढ़ीं,अब 15 फरवरी तक आवेदन का अवसर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए में कक्षा–06 एवं कक्षा–09

में प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि तथा प्रवेश परीक्षा की तिथि विस्तारित कर दी गई है। महानिदेशक,अटल आवासीय विद्यालय द्वारा इस संबंध में सभी मण्डलायुक्त को निर्देश जारी किए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार विभिन्न मण्डलों से अपेक्षाकृत कम आवेदन प्राप्त होने के दृष्टिगत अधिक से अधिक पात्र बच्चों को अवसर देने के उद्देश्य से तिथियों में संशोधन किया गया है। अब ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है, जो पूर्व में 31 जनवरी 2026 थी। आवेदनों का सत्यापन 25 फरवरी 2026 तक किया जाएगा, जबकि प्रवेश पत्र 26 से 28 फरवरी 2026 के बीच जारी होंगे।प्रवेश परीक्षा 08 मार्च 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी। परीक्षा परिणाम 18 मार्च 2026 को घोषित किए जाएंगे।चयनित विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग एवं ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया 20 मार्च से 29 मार्च 2026 के मध्य संपन्न कराई जाएगी। नया शैक्षणिक सत्र 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा।आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने उप श्रमायुक्त को निर्देश दिये है कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए प्रवेश प्रक्रिया को समयबद्ध व सुचारु रूप से संपन्न कराएं, ताकि अधिक से अधिक पात्र छात्र लाभान्वित हो सकें।

फश्नर्म 6 व 7 के सम्बन्ध में लोगों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

चिल्हियां/सिद्धार्थनगर। विधानसभा शोहरतगढ़ अन्तर्गत विकास

खण्ड नौगढ़ के सिरवत गांव में मंगलवार को पीडीए/एसआईआर जन जागरूकता चौपाल लगाया गया, जिसके आयोजक सपा नेता डॉ0 धीरेन्द्र यादव रहें। उन्होंने आईएसआर फॉर्म 6 व 7 के सम्बन्ध में लोगों को जागरूक सहित 2027 में सपा सरकार बनाने का आह्वान भी किया। सपा जिला उपाध्यक्ष डॉ0 धीरेन्द्र यादव ने विधानसभा क्षेत्र 302 शोहरतगढ़ के सिरवत गांव में पीडीए/एसआईआर जागरूकता जनचौपाल आयोजित कर वहां के लोगों को फॉर्म 6 और 7 के सम्बन्ध में जागरूक किया और आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की पीडीए सरकार बनाने के लिए विधानसभा शोहरतगढ़ की सीट जीताने का आह्वान किया। इस दौरान विनोद कुमार, शिवपूजन यादव, सेक्टर अध्यक्ष अर्जुन यादव, हरिश्चन्द्र, श्याम लाल, मो0 युनुस, बूथ अध्यक्ष जन्यती प्रसाद, .ष्णनन्दन, वीरेन्द्र कुमार, विकास, आलोक कुमार, बृजेश कुमार, अतुल सेन, मिथिलेश कुमार, राजकुमार, दीपेन्द्र, परमात्मा चौधरी, लालचन्द गौड़, शिव कन्नौजिया, छोटू पंडित, बृजनन्दन भारती, मो0 शरीफ, अशर्फी, रामदीन सहित सैकड़ों क्षेत्रीय लोग मौजूद रहें।

सीसीआई पंतनगर में मण्डलीय आकांक्षा समिति का बहुआयामी सेवा कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा/मण्डलीय आकांक्षा समिति देवीपाटन मण्डल के तत्वावधान में मंगलवार को जनपद गोण्डा स्थित बाल देख–रेख संस्थान (सीसीआई) बालगृह बालिका/शिशु गृह, पंतनगर में बच्चों के सर्वांगीण कल्याण को ध्यान में रखते हुए एक बहुआयामी सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग,गोण्डा के संयुक्त सहयोग से किया गया।इस अवसर पर संस्थान में निवासरत बालिकाओं एवं बच्चों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। .ष्टि संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए जरूरतमंद बच्चों को चश्मों का वितरण किया गया, जिससे उन्हें पढ़ाई एवं दैनिक गतिविधियों में सुविधा मिल सके।कार्यक्रम के अंतर्गत बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए सेनेटरी नैपकिन का वितरण

किया गया। साथ ही ठंड के मौसम को देखते हुए बच्चों को ऊनी वस्त्र प्रदान किए गए,जिससे उन्हें ठंड से राहत मिल सके।बच्चों के लिए नाश्ता एवं अल्पाहार की भी समुचित व्यवस्था की गई, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय, उत्साहपूर्ण एवं बच्चों के अनुकूल बना रहा।कार्यक्रम में मण्डलीय आकांक्षा समिति की अध्यक्षा गरिमा भूषण और उनके साथ आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील , जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने बच्चों से सीधा संवाद किया, उनका उत्साहवर्धन किया तथा इस पहल को समाज और प्रशासन के समन्वित प्रयास का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।इस अवसर पर आयुक्त एवं मण्डलीय आकांक्षा समिति की अध्यक्षा द्वारा स्वयं अपने हाथों से बच्चों को ऊनी वस्त्र, चश्मा, नाश्ता/अल्पाहार तथा सेनेटरी नैपकिन आदि वितरित किए गए, जिससे बच्चों में विशेष प्रसन्नता देखी गई। आकांक्षा समिति की अध्यक्षा गरिमा भूषण ने कहा कि बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित करना समाज और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं संवेदनशील देखभाल के माध्यम से ही बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य प्रदान किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों के चेहरों पर खुशी और संतोष स्पष्ट रूप से झलक रहा था। संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आकांक्षा समिति, जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को बच्चों के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में किया गया परिवर्तन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि माह फरवरी 2026 हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। ध्रुव गुप्ता अपर आयुक्त के उपर्युक्त निर्देश के अनुपालन में जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को संसूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 योजनान्तर्गत माह फरवरी 2026 के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति कार्ड वर्तमान में गेहूं की मात्रा 14 किग्रा0 परिवर्तित मात्रा 10 किग्रा, चावल का मात्रा 21 किग्रा0 तथा परिवर्तित मात्रा 25 किग्रा0 है। इसी प्रकार से पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति यूनिट गेंहूँ वर्तमान में 02 किग्रा0 परिवर्तित 01 किग्रा0 तथा चावल का मात्रा वर्तमान में 3 किग्रा0 तथा परिवर्तित मात्रा 04 किग्रा0 निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि कृष्टिगत जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत पात्रता सूची में सम्मिलित समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारको को सूचित किया जाता है कि माह फरवरी 2026 हेतु अन्त्योदय योजना के कार्डधारक प्रति कार्ड 25 किग्रा0 चावल एवं 10 किग्रा0 गेहूँ तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारक प्रति यूनिट 04 किग्रा0 चावल एवं 01 किग्रा0 गेहूँ संबंधित उचित दर की दुकान से निःशुल्क प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उक्त निःशुल्क वितरण में हो रही किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में जिला पूर्ति कार्यालय अथवा संबंधित उपजिलाधिकारी कार्यालय या विभागीय टोल फ्री नम्बर 1800–1800–150 पर की जा सकती है। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि वह माह फरवरी 2026 के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण करना सुनिश्चित करें। वितरण में प्राप्त किसी भी प्रकार की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

जल जीवन मिशन पेयजल परियोजनाओं की जिलाधिकारी ने की बिंदुवार समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन अन्तर्गत निर्मित/निर्माणाधीन 12 नग ग्राम समूह पेयजल योजनाओं की प्रगति एवं जलापूर्ति में आ रही समस्याओं, विद्युत संयोजन/आपूर्ति, रोड रेस्टोरेशन तथा ग्रामीण सड़कों के चौड़ीकरण में क्षतिग्रस्त पाइप लाइन के निराकरण सम्बन्धित समीक्षा बैठक किये। इस दौरान जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित शहरी एवं ग्रामीण पेयजल परियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा किये, जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि हर घर नल से जल योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में निर्धारित मानकों के अनुरूप नियमित एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली, उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल संरचना निर्माण नहीं, बल्कि हर परिवार तक निर्बाध पेयजल पहुंचाना है। जिन ग्राम पंचायतों में पाइपलाइन, टंकी अथवा घरेलू नल कनेक्शन का कार्य अधूरा है, वहां कार्य में तेजी लाई जाए और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। बैठक में पटवध पेयजल योजना की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए लापरवाही बरतने वाले सम्बन्धित अधिकारी को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि मार्च माह तक उक्त योजना के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो संबंधित फर्म के विरुद्ध विधिक कार्रवाई हेतु शासन स्तर पर पत्राचार किया जाएगा। साथ ही कार्यदायी संस्था को समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करने तथा साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जनपद में संचालित जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर नल योजना के 12 परियोजनाओं के द्वारा ग्राम पंचायतों में किये जा रहे पेयजल आपूर्ति के सम्बन्ध में जिलधिकारी ने विन्दुवार जानकारी ली, जिलाधिकारी ने कहा कि पेयजल परियोजनाओं के कार्य के दौरान जिन सड़कों की खुदाई की गयी है, उनकी मरम्मत का कार्य प्राथमिकता पर पूरा करा लिया जाये, जिन पेयजल परियोजनाओं द्वारा अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रारंभ नहीं की गयी है, उस कार्य को शीघ्र पूर्ण कर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करायी जाये। इस दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि ग्राम समूह पेयजल योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जिन–जिन ग्राम सभाओं में पेयजल आपूर्ति हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा जानकारी उपलब्ध करायी गयी है, उन सभी ग्राम पंचायतों के पानी आपूर्ति के सम्बन्ध में कमेटी गठित कराकर जॉच करा ली जाये, शहरी क्षेत्र की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात के दौरान नगर पालिका क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली जलभराव एवं जल निकासी की गंभीर समस्या पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन (शहरी) के अंतर्गत जल निकासी के लिए समुचित एवं स्थायी समाधान हेतु एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि वर्षा ऋतु में नागरिकों को असुविधा का सामना न करना पड़े और नगर पालिका क्षेत्र में जल भराव की समस्या से मुक्ति मिल सकें। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन (शहरी) के तहत प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराना प्राथमिकता पर सुनिश्चित किया जाए। जिन वार्डों में कनेक्शन शेष हैं, वहां विशेष अभियान चलाकर कार्य पूर्ण कर लिया जाये, शीघ्र नगर पालिका क्षेत्र के हर घर को नल के कनेक्शन से जोड़ दिया जाये, उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने, फील्ड निरीक्षण बढ़ाने और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी, सभी संबंधित अधिकारी निर्धारित समयसीमा में लक्ष्य पूर्ण करें और आमजन को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) रोहित यादव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतपाल वर्मा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, संबंधित विभागों के अधिकारी, कार्यदायी संस्थाएं एवं परियोजना से जुड़े अभियंतागण उपस्थित रहें।

पतंजलि योग कक्षा का 8 फरवरी को 12वां वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोहः रवि प्रकाश त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पतंजलि योग परिवार सोनभद्र द्वारा 8 फरवरी को योग कक्षा का 12वां वार्षिकोत्सव एवं सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र नई कार्यकारिणी का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। यह आयोजन कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में किया गया है। पतंजलि योग समिति सोनभद्र के जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि आप सभी के स्नेह ,सहयोग,आशीर्वाद से प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी सोनभद्र बार सभागार नियमित योग कक्षा का 12 वां वार्षिकोत्सव व नवनियुक्त अध्यक्ष सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र अशोक प्रसाद श्रीवास्तव व समस्त कार्यकारिणी का सम्मान समारोह 8 फरवरी रविवार को प्रातः कालीन योग कक्षा के पश्चात 6रू00 बजे से 7रू00 बजे के बीच पतंजलि योग परिवार सोनभद्र के कुशल मार्गदर्शक , संरक्षक, संयोजक के मार्गदर्शन व पदाधिकारियों के नेतृत्व में मनाया जाएगा।जिसके मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश/ राज्य प्रभारी भारत स्वाभिमान भगवान सिंह, राज्य प्रभारी पतंजलि योग समिति दुर्गेश योगी, विशिष्ट अतिथि एल्डर कमेटी चेयरमैन .पा नारायण मिश्र व विंध्याचल मंडल प्रभारी धीरज रहेंगे। पतंजलि योग परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम को समय से पहुंच कर सफल बनाने का आग्रह किया है।

जनपद को 2027 तक बाल श्रम मुक्त बनाने को लेकर कार्यशाला का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उप श्रमायुक्त पिपरी ने अवगत कराया है कि वी0वी0 गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान नोएडा व मुख्यालय के अधिकारियों के अध्यक्षता में 05 फरवरी,.2026 को प्रातः 10:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद सोनभद्र में 2027 तक बाल श्रम मुक्त बनाने के संकल्प हेतु तैयार कार्य योजना व बाल श्रम उन्नमूलन एवं पुनर्वासन में विभिन्न स्टेक होल्डर्स की कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उप श्रमायुक्त पिपरी ने अवगत कराया है कि वी.वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा एवं श्रम विभाग मुख्यालय के अधिकारियों की अध्यक्षता में दिनांक 05 फरवरी 2026 को प्रातः 10.00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य जनपद सोनभद्र को वर्ष 2027 तक बाल श्रम मुक्त बनाए जाने के संकल्प को साकार करने हेतु तैयार की गई कार्य योजना पर विमर्श करना तथा बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन की दिशा में विभिन्न स्टेक होल्डर्स की भूमिका को सशक्त बनाना है। इस कार्यशाला में श्रम विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस प्रशासन, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि प्रतिभाग करना सुनिश्चित करेंगें।

एक दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। विश्व आद्रभूमि दिवस के अवसर पर जिला विकास अधिकारी सभागार, में एक दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला कृषि अधिकारी कमलेश कुमार सिंह, **AC-AR** देवेंद्र कुमार सिंह, **ADCO** अवधेश सिंह, इफको मुख्यालय से क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अक्षय कुमार पाण्डेय (ग्रुप लीडर), इफको एमसी के **TME** धर्मेंद्र कुमार, इफको क्षेत्राधिकारी सोनभद्र श्री अभिजीत मौर्य, इफको **SFA** सोनभद्र, **MDE** एक्वाएग्री एवं इफको एमसी के **MDA**, साथ ही जिले के सभी विकास खण्डों से कृषि विभाग के **ADO (Ag)** समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुछ प्रगतिशील किसानों ने भी सहभागिता की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं इफको के अन्य उन्नत उत्पादों की उपयोग विधि, लाभ एवं फसल उत्पादन में उनकी भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी गई। इफको प्रयागराज के क्षेत्रीय प्रबंधक अक्षय कुमार पाण्डेय द्वारा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के लाभ बताते हुए कहा गया कि ये उत्पाद कम मात्रा में अधिक प्रभावी हैं, लागत घटाते हैं तथा पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित हैं। इसके पश्चात इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र सोनभद्र में स्थापित प्रदर्शन प्रक्षेत्र का निरीक्षण भी किया गया। क्षेत्राधिकारी अभिजीत मौर्य जी द्वारा सागरिका, छच्झ कंसोर्टिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा इसके जैविक व मृदा–स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डाला गया। वहीं सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता द्वारा कृषि में आधुनिक तकनीकों एवं सहकारी प्रणाली की उपयोगिता पर विचार रखे गए। कार्यक्रम के अंत में नैनो यूरिया से संतुष्ट किसान भाईयों को सम्मानित किया गया तथा मुख्य अतिथि समेत उपस्थित सभी मुख्य अधिकारियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए जिला कृषि अधिकारी ने उम्मीद जताया है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

न्यूड फोटो वायरल करने की धमकी देकर साइबर ठगी करने वाले अंतरजनपदीय गैंग का भंडाफोड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के दिशा–निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस थाना को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। प्रकरण में आवेदिका सुषमा गुप्ता पुत्री संजीव गुप्ता, निवासी म्योरपुर, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर स्वयं को ब्व्प् अधिकारी बताते हुए गाली–गलौज, धन की मांग, पैसा न देने पर जान से मारने की धमकी तथा न्यूड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने व मोबाइल हैक कर धन की उगाही करने का गंभीर अपराध किया गया था। इस संबंध में थाना म्योरपुर पर मु0अ0सं0 153/2025, धारा 308(5) बीएनएस व 66–ग आईटी एक्ट पंजी.त किया गया था। महिला संबंधी अपराधों में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पुलिस अधीक्षक द्वारा उक्त प्रकरण की विवेचना साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र को सुपुर्द करते हुए अभियुक्तों के गैंग के अनावरण हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के क्रम में निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम को जनपद कानपुर नगर भेजा गया, जहाँ स्थानीय पुलिस के सहयोग से कानपुर कमिश्नरेट क्षेत्र से साइबर ठगी करने वाले संगठित गैंग का खुलासा करते हुए कुल 04 अभियुक्तों को गिरतार किया गया। पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्तगण आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को लालच देकर उनके नाम पर सिम कार्ड प्राप्त कर उन्हें साइबर अपराध में प्रयुक्त करते थे। सिम विक्रेता द्वारा अपने पी0ओ0एस0 मशीन से वैध–अवैध रूप से सिम एक्टिवेट कर उन्हें साइबर ठगों को सप्लाई किया जाता था। अभियुक्तगण अश्लील वीडियो देखने के नाम पर लोगों को फंसाकर ए0आई0 तकनीक से फर्जी न्यूड फोटो तैयार कर धमकी देकर धन उगाही करते थे। इसके अतिरिक्त ब्लॉक हो चुके नंबरों को गुमशुदगी दर्शाकर पुनः एक्टिवेट कर अपराध में इस्तेमाल किया जाता था। अभियुक्तों द्वारा अब तक 100 से अधिक सिम कार्डों का प्रयोग कर देशभर में साइबर ठगी की गई है। जनपद सोनभद्र के भी कई पीड़ितों की जानकारी सामने आई है।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या का आगमन आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी प्रोटोकाल ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग माननीया गीता विश्वकर्मा जनपद में सर्किट हाउस सभागार चुर्क में सदस्या द्वारा 04 फरवरी,2026 बुधवार को दोपहर 11.00 बजे महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायतों की सुनवाई सर्किट हाउस सभागार में करेंगी, इस दौरान जनपद में महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देंगी। इस के पश्चात सदस्या द्वारा बाल विकास एवं पुष्टाहार, आंगनबाड़ी स्वयं सहायता समूह की बहनों के साथ जागरूकता चौपाल में सम्मिलित होंगी एवं जिला कारागार महिला बन्दी गृह का निरीक्षण, जिला चिकित्सालय, वन स्टाफ सेन्टर, कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण करेंगी।

धर्म के चार चरणों में सिर्फ बचा है कीर्तन : मनीष शरण जी महाराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उरमौरा स्थित गायत्री भवन परिसर में आयोजित

श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन मंगलवार को अयोध्या धाम से आए कथा व्यास मनीष शरण जी महाराज ने बताया कि धर्म के चार चरण होते हैं, पवित्रता,दया,तप,और कीर्तन,जिसमें पवित्रता, दया व तप तो अब समाप्त हो गए हैं अब इस कलिकाल में केवल एक ही चरण बचा है जिसका नाम कीर्तन है। श्री राम चरित् मानस से उदाहरण देते हुए कहा, कलिकर एक पुनीत प्रतापा, मानस पुण्य होहिं नहीं पापा। कलियुग केवल हरिगुण गाहा, गावत नर पावत भव थाहा।कलियुग में मन से किया हुआ पाप––पाप की श्रेणी में नही जायेगा, लेकिन कलियुग में मन से किया गया पुण्य पुण्य की श्रेणी में जायेगा। इस अवसर पर मुख्य यजमान पवन मिश्र एड पूरे परिवार सहित,राजीव सिंह अध्यक्ष अधिवक्ता परिषद, विनोद शुक्ल, आनंद ओझा, शैलेन्द्र केशरी, नवीन पांडे, अंकित सिंह गौतम, लाला अभिषेक,शक्ति सेन, अनिल मौर्य आदि महिलाएं, बच्चे भागवत प्रेमी उपस्थित रहे।

महात्मा बुद्ध कब पैक पीएम श्री पल्हारी में कैंप सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी नगवां सोनभद्र में धूमधाम से कब बुलबुल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें नियम, प्रतिज्ञा, झंडा गीत के साथ विविध गतिविधियां कराई गई। डॉ बृजेश महादेव ने बताया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सोनभद्र मुकुल आनंद पांडेय के संरक्षण व खंड शिक्षा अधिकारी नगवां, सोनभद्र धनंजय कुमार सिंह के सह संरक्षण में क्रियात्मक कैंप आयोजित किया गया। कब और बुलबुल भारत स्काउट एंड गाइड के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों (कक्षा 1 से 5) के बच्चों के लिए संचालित एक बाल गतिविधि संगठन है। इसमें 5 से 10 वर्ष के लड़कों को श्कबश् और लड़कियों को श्बुलबुलश् कहा जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास करना है। इसमें बच्चों को विभिन्न चरण (कोमल पंख, रजत पंख, सुवर्ण पंख) पार करने होते हैं, जिसके बाद वे प्रवीणता बैज (जैसे गोल्डन ऐरो अवार्ड) जीत सकते हैं। कैंप में बच्चों को प्रार्थना, सैल्यूट करना, झंडा गीत, रस्सी की गांठें लगाना और प्राथमिक चिकित्सा जैसी गतिविधियां सिखाई जाती हैं। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी नगवां सोनभद्र के प्राथमिक संवर्ग में भारत स्काउट और गाइड संस्था द्वारा महात्मा बुद्ध कब पैक पंजी.त है। बता दें कि स्काउट मास्टर डॉ बृजेश महादेव का स्मार्ट क्लास, कैंप क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, कंपोजिट क्लास, आईसीटी लैब, वार्षिकोत्सव, पत्रिका प्रकाशन आदि नवाचार प्रदेश भर में संचालित है। इनके द्वारा पूर्व छात्र सम्मेलन भी कराया जाता है जो अनुकरणीय है। इस अवसर पर जय प्रसाद चौरसिया प्रधानाध्यापक, ज्ञानेश , प्रदीप, पवन, रमेश, दीपक, शिवशंकर, उर्मिला, ममता एवं विंदू बीडीसी उपस्थित रहे। कैंप में अशोक सिंह, आदर्श सिंह, बीकेश, श्याम नारायन, विकाश, संदीप कुमार, रमाकान्त, टीपू, प्रदीप कुमार, श्याम सुन्दर, सत्यम, रणजीत सिंह कमरो, सूरज, संतोष, रंजीत, अंजना, अंजनी, खुशबू , फूलन, सुनिता, राधा, चन्दा, सुगवन्ती आदि ने प्रतिभाग किया।

सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली का जनपद में आगमन 9 फरवरी को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक)/प्रभारी प्रोटोकाल रमेश चन्द्र ने अगवत कराया है कि सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली श्री लव कुश कुमार का जनपद में आगमन 9 फरवरी,2026 को होगा। सदस्य अपरान्ह 02.00 बजे जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगें, इसके पश्चात रात्रि विश्राम करेंगें। 10 फरवरी,2026 को प्रातः 10.30 बजे बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, बैंक ऑफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, सैण्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, इण्डियन ओवरसीज बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पंजाब एण्ड सिंध बैंक एवं आईडीबीआई बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख (वाराणसी जोन) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समीक्षा बैठक करेगें। बैठक में उत्तर प्रदेश राज्य में अनु–सूचित जातियों के कल्याण और विकास के लिए बैंक द्वारा चलाए जा रहे वित्तीय समावेशन योजनाओं की समीक्षा और निगरानी संबंधी समीक्षा बैठक करेंगें।

दो गांजा तस्करों को 10–10, वर्ष की कठोर कैद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ढाई वर्ष पूर्व पिपरी थाना क्षेत्र स्थित मूर्धवा मोड़ के पास से दो तस्करों के साथ ट्रक के केबिन से बरामद 320 किलोग्राम गांजा के मामले में विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दो तस्करों अर्जुन राम व शर्मानन्द पटेल उर्फ विक्की को 10–10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। उनके ऊपर दो–दो लाख रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड अदा न करने पर 6–6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक 17 अगस्त 2023 को दोपहर 12 बजे रवि प्रकाश कं. आसूचना अधिकारी स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, क्षेत्रीय इकाई लखनऊ को विमल कुमार सिंह पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ लखनऊ से सूचना मिली कि दो तस्कर अर्जुन राम पुत्र स्वर्गीय भिखारी राम निवासी बनिया छापर, थाना कुचेयाकोट, जिला गोपालगंज बिहार व शर्मानन्द पटेल उर्फ विक्की पुत्र स्वर्गीय रामजनम पटेल निवासी दोस्तियां, थाना चौनपुर, जिला मोतिहारी बिहार जो ट्रक के कैबिन में बने गुप्त स्थान में भारी मात्रा में गांजा छुपाकर ले जा रहे हैं। जो 18 अगस्त 2023 को मूर्धवा मोड़ से होकर गुजरने की सम्भावना है। इस सूचना पर पुलिस की कई टीम गठित कर ट्रक के आने का टीम इंतजार करने लगी। इसीबीच दोपहर बाद 3रू20 बजे बभनी की ओर से ट्रक आती दिखाई दी। नजदीक आने पर जब ट्रक को रोककर अपना परिचय देते हुए टीम ने पूछताछ की तो दोनों तस्करों ने अपना नाम पता सूचना के अनुरूप ही बताया। जब गांजा के बारे में कड़ाई से पूछताछ की गई तो तस्करों ने ट्रक की केबिन में बने गुप्त स्थान से 160 पैकेज निकाला। प्रत्येक पैकेट 2 किलोग्राम का था। इस प्रकार से कुल 320 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। दोनों तस्करों को गिरतार कर पिपरी पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट में चालान कर दिया गया। पुलिस विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर गम्भीर प्र.ति का अपराध मानते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी तस्करों अर्जुन राम व शर्मानन्द पटेल उर्फ विक्की को 10–10 वर्ष की कठोर कैद व 2–2 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6–6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील शशांक शेखर मिश्र ने बहस की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक :- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

सिनेमाघरों में जल्द ही भौकाल मचाने पूरी तरह तैयार मिर्जापुरः द फिल्म, मुन्ना-गुड्डू की संग छाएगी सचिव जी की दबंगई

मिर्जापुर एक ऐसी वेब सीरीज जिसने ओटीटी की दुनिया में आते ही तहलका मचा दिया और देखते ही देखते एक कल्ट फेनोमेनन बन गई। गालियां, सत्ता की भूख, खून–खराबा और दमदार किरदारों के साथ इस शो ने वो कारनामा कर दिखाया, जो बहुत कम सीरीज कर पाती हैं। दर्शकों से मिले जबरदस्त प्यार और ओटीटी पर इसकी रिकॉर्डतोड़ लोकप्रियता को देखते हुए अब मेकर्स ने इसे बड़े पर्दे पर लाने का फैसला कर लिया है। जल्द ही शमिर्जापुररू द फिल्म्य सिनेमाघरों में भौकाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

शमिर्जापुररू द फिल्म्य का इंतजार फैंस काफी लंबे समय से कर रहे थे। वेब सीरीज के तीन सफल सीजन के बाद अब दर्शक यह जानने के लिए बेताब हैं कि ओटीटी से सिनेमाघरों तक पहुंचते हुए इस कहानी में क्या नया देखने को मिलेगा। इसी बीच फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। हाल ही में मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर यह कन्फर्म कर दिया है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मेकर्स के मुताबिक फिल्म का आखिरी शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और अब प्रोजेक्ट पोस्ट–प्रोडक्शन स्टेज में पहुंच चुका है। यह अपडेट सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

शमिर्जापुररू द फिल्म्य को लेकर बज का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह ऑरमैक्स सिनेमैटिक्स की मोस्ट अवेटेड हिंदी फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी है। इसका साफ मतलब है कि दर्शक इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

फिलहाल मेकर्स ने फिल्म की कहानी को लेकर कोई बड़ा खुलासा नहीं किया है। हालांकि, इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म या तो सीरीज का प्रीक्वल हो सकती है या फिर उसी टाइमलाइन का एक अहम और बड़ा हिस्सा दिखा सकती है। यह भी कहा जा रहा है कि फिल्म का स्केल वेब सीरीज से कई गुना ज्यादा भव्य होगा। सत्ता की लड़ाई, खून–खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया और और भी खूनी खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे पर मिर्जापुर की दुनिया को और ज्यादा रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक तरीके से पेश किए जाने की पूरी तैयारी है।

फिल्म में शमिर्जापुरय्य की जान माने जाने वाले किरदार एक बार फिर लौट रहे हैं। पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा इस बार कुछ नए चेहरों की भी एंट्री होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जीतेंद्र कुमार (जीतू भैया) और रवि किशन जैसे पॉपुलर स्टार्स भी फिल्म का हिस्सा होंगे, जो कहानी में नए ट्विस्ट और तड़का लगाने वाले हैं। मिर्जापुरः द फिल्म्य पहले सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी और उसके बाद ही यह अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। मेकर्स का प्लान साफ है, पहले थिएटर में भौकाल और फिर ओटीटी पर दोबारा धमाका। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज की जाएगी। फिल्म को मिर्जापुर के ओरिजिनल क्रिएटर पुनीत कृष्ण ने लिखा है, जबकि इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। गौरतलब है कि शमिर्जापुरय्य का पहला सीजन 2018 में आया था, दूसरा 2020 में और तीसरा सीजन 2024 में रिलीज हुआ था। तीनों सीजन को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। अब जब शमिर्जापुरय्य बड़े पर्दे पर आ रही है तो साफ है कि फैंस की निगाहें इसी पर टिकी हैं।

मेहरीन पीरजादा ने शादी की अफवाहों पर बताई सच्चाई

एक्ट्रेस मेहरीन पीरजादा ने हाल ही में शादी की झूठी खबरों का जोरदार खंडन किया है, और इन बेबुनियाद जानकारियों पर निराशा और गुस्सा जाहिर किया है। एक साफ बयान में, मेहरीन

ने मीडिया से जिम्मेदारी से काम करने की अपील की और जोर देकर कहा कि वह अपनी कोई भी पर्सनल खबर खुद बताएंगी।

लगभग दो सालों तक, मेहरीन ने अपनी पर्सनल जिंदगी के बारे में बार–बार उड़ रही अफवाहों के बीच चुप रहना पसंद किया। लेकिन हाल ही में एक रिपोर्ट में एक अनजान व्यक्ति को उनका पति बताया गया, जिसके बाद उन्हें सामने आकर बोलना पड़ा। उन्होंने साफ किया, मेरी किसी से शादी नहीं हुई है, और इस कहानी को पूरी तरह से झूठा और दुख पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और मीडिया आउटलेट्स से झूठी कहानियाँ बनाना बंद करने को कहा।

मेहरीन ने ऐसी पर्सनल झूठी बातें फैलाने को गलत बताया और फैंस को भरोसा दिलाया कि सही समय आने पर वह अपनी जिंदगी के बारे में अपडेट शेयर करेंगी। उन्होंने कहा, जब मैं शादी करने का फैसला करूंगी, तो मैं खुद दुनिया को बताऊंगी। कृपया मुझ पर भरोसा करें और बिना किसी आधार के अफवाहें फैलाना बंद करें। तेलुगु सिनेमा की उभरती हुई स्टार मेहरीन ने 2016 में नानी के साथ कृष्णा गाडी वीरा प्रेमा गाधा से डेब्यू किया और तुरंत पहचान बनाई। वह एफ2रू फन एंड फ्रस्ट्रेशन, एफ3, पंथम और एंथा मंचिवादावुरा जैसी हिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। मेहरीन ने 2023 की वेब सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली के साथ डिजिटल स्पेस में भी कदम रखा। अपने बयान से, मेहरीन को उम्मीद है कि गलत जानकारी फैलने से रुकेगी और उनकी प्राइवेसी बनी रहेगी।

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिसः भारत में 300 करोड़ का आंकड़ा पार, दूसरे संडे सनी देओल की फिल्म ने मचाया हाहाकार

सनी देओल की वार बेस्ड फिल्म बॉर्डर 2 ने 10 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर धमाका मचा दिया है. फिल्म ने अपने दूसरे संडे की कमाई से बॉक्स ऑफिस हिला डाला है. बॉर्डर 2 की आंधी में बीती 30 जनवरी को रिलीज हुई रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म मर्दानी 3 उड़ी चुकी है. चलिए जानते हैं बॉर्डर 2 की दसवें दिन की कमाई के बारे में. बॉर्डर 2 ने दसवें दिन भारत में 24.22 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 301. 89 करोड़ रुपये हो गया है. सैकनिल्क की मानें तो, सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 अब वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये के कलेक्शन के करीब पहुंच रही है. फिल्म ने 10 दिनों में ओवरसीज में 45 करोड़ रुपये कमाए हैं और इससे फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 374 करोड़ रुपये हो गया है. हाल ही में, बॉर्डर 2 के हिट होने के दौरान फिल्म के तीसरे पार्ट बॉर्डर 3 का भी ऐलान हो चुका है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार किया जा रहा है. वहीं, बॉर्डर 2 की बात करें तो इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह लीड रोल में हैं. फिल्म में अक्षय खन्ना का भी कैमियो दिखाया जा रहा है.

रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 चल रही कछुआ की चाल, तीसरे दिन हुआ इतना कारोबार

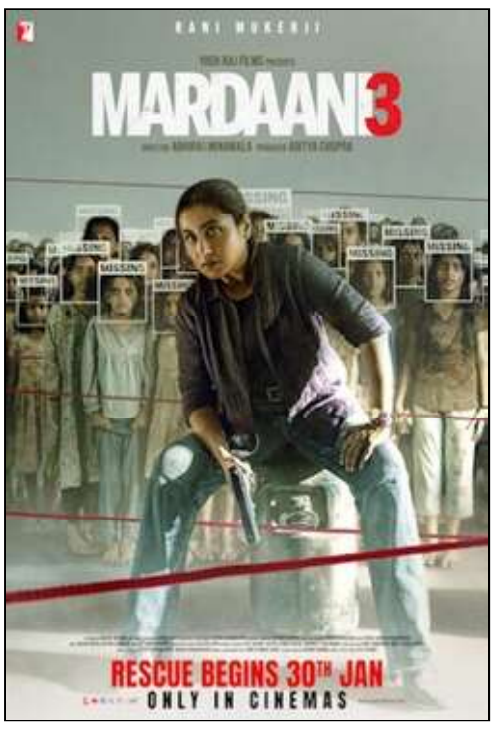

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ने पहले दिन धीमी शुरुआत की, लेकिन इसने हार नहीं मानी। बॉक्स ऑफिस पर कछुए की चाल चलते हुए इसने तीसरे दिन सबसे ज्यादा कारोबार कर दिखाया है। बता दें, 30 जनवरी को रिलीज मर्दानी 3 के जरिए रानी ने पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में बड़े पर्दे पर दोबारा वापसी की है। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है, जबकि निर्माता यशराज फिल्म्स हैं।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मर्दानी 3 ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन (रविवार) को 7.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है जो पिछली कमाई के मुकाबले सबसे ज्यादा है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 4 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली थी। दूसरे दिन 6.25 करोड़ कमाते हुए इसने अब तक कुल 17.50 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। हालांकि, 3 दिनों में फिल्म 20 करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई है, जो थोड़ा चिंताजनक है।

मर्दानी 3 का ट्रेलर काफी दमदार था जिसे देखकर लोगों ने इसके शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें लगाई थीं। माना जा रहा था कि फिल्म पहले दिन दोहरे आंकड़ों में कमाई करेगी, लेकिन ऐसा न हो सका। वहीं दुनियाभर में, 3 दिनों के अंदर फिल्म की कमाई करीब 25.1 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। तीसरी किस्त से पहले निर्माता 2014 में मर्दानी और 2019 में मर्दानी 2 लेकर आए थे, जिसे खूब सराहा गया था।

लेदर जैकेट को लंबे समय तक नए जैसा रखना है? इस तरह रखें उसका ख्याल

लेदर जैकेट महिलाओं और पुरुषों, दोनों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। ये जैकेट ठंड से तो बचाती ही हैं, साथ ही एक स्टाइलिश लुक भी देती हैं। हालांकि, इन जैकेट को सही से रखने और देखभाल करने की जरूरत होती है। ऐसा करने से ये लंबे समय तक नई जैसी बनी रहती हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार फैशन टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप अपनी लेदर जैकेट को साफ और नए जैसा रख सकते हैं।

लेदर जैकेट को साफ करने का तरीका

लेदर जैकेट को साफ करने के लिए साबुन का उपयोग न करें, क्योंकि इससे उसका रंग हल्का पड़ सकता है। साथ ही ऐसा करने से लेदर उधड़ने का भी डर रहता है। इसके बजाय गीले कपड़े का उपयोग करें और उससे जैकेट को हल्के हाथों से रगड़ें। अगर दाग लगा हो तो एक मुलायम ब्रश का उपयोग करके उसे हल्के हाथों से साफ कर लें। अगर जरूरत पड़े तो लेदर के लिए खासतौर पर बने सफाई वाले उत्पाद उपयोग करें।

ऐसे सुखाएं लेदर जैकेट

लेदर जैकेट को धूप में सुखाना सही नहीं होता है। ऐसा करने से उसका रंग बदल सकता है या वह सिकुड़ सकती है। बेहतर होगा कि आप अपनी लेदर जैकेट को हवा में सुखा लें। अगर बारिश या नमी की वजह से जैकेट गीली हो गई हो तो उसे कमरे के अंदर किसी हवादार जगह पर लटका दें, ताकि वह धीरे–धीरे सूख जाए। इससे जैकेट का आकार और रंग, दोनों ही सुरक्षित रहेंगे।

स्टोर करने का तरीका जानें

लेदर जैकेट को स्टोर करने के लिए प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करना चाहिए। इससे उसमें नमी आ सकती है और फफूंद लगने का खतरा रह सकता है। इससे अच्छा होगा कि आप इसे कपड़े के बैग में रखें, जो हवा को आर–पार कर सके। इसके अलावा जैकेट को हमेशा हेंगर पर लटकाएं, ताकि उसका आकार बना रहे और लेदर उधड़े न। कभी भी इसे ढीला न छोड़ें, क्योंकि इससे सिलाई कमजोर होती है और जैकेट खराब हो सकती है।

नियमित देखभाल करें

लेदर जैकेट की नियमित देखभाल करके आप उसे हमेशा नए जैसा रख सकते हैं। हर महीने इसे नम कपड़े से रगड़ें और अगर कोई दाग लगे हों तो उन्हें तुरंत साफ करें। साल में एक बार लेदर के लिए बने विशेष उत्पाद का उपयोग करके उसे साफ करें, ताकि उसकी चमक बरकरार रहे और वह मुलायम बनी रहे। इसके अलावा जैकेट को समय–समय पर पेशेवर रूप से साफ करवाना भी अच्छा होता है, ताकि वह हमेशा नई जैसी दिखे।

फिटिंग का ध्यान रखें

लेदर जैकेट पहनते समय ध्यान रखें कि वह ज्यादा टाइट न हो, क्योंकि इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है और आराम भी कम हो सकता है। सही फिटिंग वाली जैकेट चुनें, जो आपके शरीर की आकृति पर अच्छी लगे और आरामदायक हो। इन सरल सुझावों की मदद से आप अपनी लेदर जैकेट को लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं और ठंड के मौसम में स्टाइलिश दिख सकते हैं।